चैत्र कृष्णा - 11 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 249 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 05-04-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 योगी ने काशी और मथुरा मामलों में हिंदू पक्ष की जीत का भरोसा जताया

6 अंसारी की मौत पर बेवजह प्रलाप क्यों?

7 मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना आपकी राष्ट्रीय जिमेदारी है : नड्डा

फर्स्ट टेक

विस्तारा का गतिरोध बरकरार, 20 उड़ानें रद्द

मुंबई/भाषा। पायलटों की नाराजगी की वजह से टाटा समूह की एयरलाइन विस्तारा की उड़ानों के रद्द होने का सिलसिला बृहस्पतिवार को भी जारी रहा। समस्या बरकरार रहने से करीब 20 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। बुधवार को भी विस्तारा की 26 उड़ानें पायलटों के विरोधी रुख की वजह से रद्द हुई थीं। हालांकि, एयरलाइन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विनोद कन्नन ने एक दिन पहले नाराज पायलटों से माफी मांगने के साथ उनकी समस्या के समाधान का वादा किया था। लेकिन यह समस्या अबतक हल नहीं हो पाई है। सूत्रों ने बताया कि बृहस्पतिवार को भी गतिरोध जारी रहा और एयरलाइन ने लगभग 20 उड़ानें रद्द कर दीं। इसकी वजह से कुछ हवाई मार्गों पर यात्री किराया बढ़ गया है।

1994 के रवांडा नरसंहार को 'रोक सकते थे' : मैक्रों

पेरिस/एपी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का कहना है कि फ्रांस और उसके सहयोगी 1994 के रवांडा नरसंहार को रोक सकते थे लेकिन उनके पास ऐसा करने की इच्छाशक्ति की कमी थी। मैक्रों के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि फ्रांसीसी राष्ट्रपति रविवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी करेंगे जब रवांडा नरसंहार की 30वीं बरसी मनाएगा। वीडियो में मैक्रों ने कहा है, फ्रांस अपने पश्चिमी और अफ्रीकी सहयोगियों के साथ नरसंहार रोक सकता था लेकिन उसके पास ऐसा करने की इच्छाशक्ति की कमी थी। मैक्रों ने 2021 में मध्य अफ्रीकी देश की यात्रा के दौरान नरसंहार में फ्रांस की जिम्मेदारी स्वीकार की थी, जिसमें आठ लाख से अधिक लोग मारे गए थे।

मालदीव अब भी भारत को मित्र मानता है : वित्त मंत्री मोहम्मद सईद

माले/भाषा। मालदीव के वित्त मंत्री मोहम्मद सईद ने देश में ''विदेशी सैनिकों'' की मौजूदगी के खिलाफ राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के रुख का बचाव करते हुए कहा है कि मालदीव अभी तक भारत को अपना मित्र मानता है। चीन समर्थक झुकाव रखने वाले मुइज्जू ने पिछले साल नवंबर में शपथ लेने के कुछ ही घंटों के भीतर भारत से अपने 88 सैन्य कर्मियों को मालदीव से बुलाने के लिए कहा। उन्होंने भारतीय सैनिकों की उपस्थिति को मालदीव की संप्रभुता के लिए खतरा बताया था। तुर्किये के समाचार संस्थान 'टीआरटी वर्ल्ड' के साथ एक साक्षात्कार के दौरान, मालदीव के वित्त मंत्री मोहम्मद सईद से पूछा गया कि क्या मालदीव चीन और भारत दोनों का दोस्त हो सकता है, इस पर उन्होंने जवाब दिया कि मालदीव सिर्फ दो देशों का नहीं, सभी देशों का दोस्त है।

सूर्यास्त 05-04-2024 6:31 बजे	सूर्योदय 06-04-2024 6:12 बजे
BSE 74,227.63 (+350.81)	NSE 22,514.65 (+80.00)
सोना 7,200 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 80,666 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

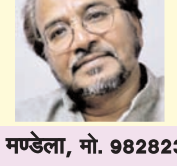

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

झूठों की भरमार

कड़ी सजा का प्रावधान हो,
यदि फर्जी हो एफआइआर।
झूठा होवे यदि गवाह तो,
हो दोषी सम भागीदार।
मगर सबूतों पर आश्रित हैं,
सारे कानूनी हथियार।
कैसे करें फैसला सच पर,
जब हो झूठों की भरमार।।

कैंसर के इलाज के लिए

स्वदेशी सीएआर टी-कोशिका थेरेपी की राष्ट्रपति मुर्मू ने की शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कैंसर के मरीजों के इलाज के लिए स्वदेश में विकसित 'सीएआर टी-कोशिका' थेरेपी की बृहस्पतिवार को शुरुआत करते हुए इसे एक ''बड़ी उपलब्धि'' बताया जो इस बीमारी के खिलाफ लड़ाई में ''मानव जाति को एक नई उम्मीद'' देती है।

यहां पवई में स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बंबई में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने यह भी कहा कि इस थेरेपी का विकास 'मेक इन इंडिया' पहल का एक उदाहरण है।

अधिकारियों के अनुसार, आईआईटी बंबई और टाटा मेमोरियल सेंटर द्वारा विकसित यह जीन आधारित थेरेपी विभिन्न प्रकार के रक्त कैंसर समेत कैंसर के इलाज में मदद करेगी। नेक्ससीएआर19 सीएआर टी-कोशिका थेरेपी भारत की पहली 'मेड इन इंडिया' सीएआर टी-कोशिका थेरेपी है जो इलाज की लागत कम करने में मददगार साबित होगी।

इस अवसर पर राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि सीएआर टी-कोशिका थेरेपी को चिकित्सा विज्ञान में अभूतपूर्व प्रगति में से एक माना जाता है। उन्होंने कहा, इस थेरेपी का विकास 'मेक इन इंडिया' पहल का भी उदाहरण है और यह भारतीय वैज्ञानिकों व चिकित्सकों की क्षमता के बारे में बताती है। मुर्मू ने कहा, भारत की पहली जीन थेरेपी की शुरुआत कैंसर के खिलाफ हमारी लड़ाई में एक बड़ी उपलब्धि है। सीएआर टी-कोशिका थेरेपी इस प्रकार के इलाज को सुगम व किफायती बनाती है जिससे यह पूरी मानव जाति को एक नई उम्मीद देती है।

नहीं बढ़ेंगी आवश्यक दवाओं की कीमतें : मांडविया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री मनसुख मांडविया ने बृहस्पतिवार को कहा कि थोक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति में नगण्य वृद्धि को देखते हुए इस वित्त वर्ष 2024-25 में आवश्यक दवाओं की कीमतों में कोई वृद्धि नहीं होगी।

समाचार एजेंसी 'पीटीआई-भाषा' के राष्ट्रीय राजधानी स्थित मुख्यालय में संपादकों के साथ बातचीत में केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री ने आश्वासन दिया कि यह ''मोदी जी की गारंटी'' है।

आवश्यक दवाओं की दरों में बढ़ोतरी की अटकलों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, यह बिल्कुल गलत है। दवाओं

की कीमत में कोई बढ़ोतरी नहीं होगी। मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) सालाना थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) के आधार पर अनुसूचित दवाओं की अधिकतम कीमतों में संशोधन करता है।

एनपीपीए, भारत सरकार के रसायन व उर्वरक मंत्रालय के रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग के अधीन काम करता है।

मांडविया ने कहा, एनपीपीए डब्ल्यूपीआई के आधार पर आवश्यक दवाओं की निगरानी और कीमतें तय करता है। मंत्री ने कहा कि जब मुद्रास्फीति बढ़ती है, तो इससे कीमतों में बढ़ोतरी होती है और जब यह नीचे आती है तो दाम कम हो जाते हैं। मांडविया ने कहा, इस साल महंगाई नहीं बढ़ी है। यह सिर्फ 0.005 है। इसलिए कंपनियां इस साल कीमतें नहीं बढ़ाएंगी। यह मोदी जी की गारंटी है।

औषधि मूल्य नियंत्रण आदेश (डीपीसीओ) 2013 के प्रावधानों के अनुसार, दवाओं को अनुसूचित तथा गैर-अनुसूचित फॉर्मूलेशन के रूप में वर्गीकृत किया गया है। डीपीसीओ 2013 की अनुसूची- ख में सूचीबद्ध फॉर्मूलेशन, अनुसूचित फॉर्मूलेशन हैं जिन्हें आवश्यक दवाएं भी कहा जाता है।

'मां भारती' में आस्था रखने वालों को नागरिकता देना मोदी की गारंटी

सीएए को लेकर झूठी अफवाह फैलाने के लिए विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कूचबिहार (पश्चिम बंगाल)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) को लेकर झूठी अफवाह फैलाने के लिए विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की बृहस्पतिवार को आलोचना की और कहा कि 'मां भारती' में आस्था रखने वालों को नागरिकता देना मोदी की गारंटी है।

पश्चिम बंगाल के कूचबिहार के रास मेला मैदान में एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने भ्रष्ट लोगों को बचाने के प्रयासों को लेकर विपक्षी दलों निशाना साधा और उनकी सजा सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताते हुए कहा कि अगले पांच वर्ष में और भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

संदेशखालि में हाल की घटनाओं का उल्लेख करते हुए मोदी ने आश्वासन दिया कि दोषियों को अपना शेष जीवन जेल में

■ भ्रष्ट लोगों पर अगले पांच वर्ष में और भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी

बिताना होगा। संदेशखालि में तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के खिलाफ यौन शोषण के आरोप सामने आए हैं।

मोदी ने कहा, उन्होंने (इंडिया गठबंधन) कभी हाशिए पर पड़े समुदायों की परवाह नहीं की। अब जब हम सीएए लाए हैं तो वे अफवाहें और झूठ फैला रहे हैं। मां भारती में आस्था रखने वालों को नागरिकता देना मोदी की गारंटी है।

उनकी टिप्पणी तृणमूल कांग्रेस समेत विपक्षी दलों के उन दावों की पृष्ठभूमि में आई है जिसमें कहा गया है कि सीएए के लिए आवेदन करने से वैध नागरिक विदेशी बन जाएंगे।

सीएए के नियमों को 13 मार्च को अधिसूचित किया गया था। इसके मुताबिक सरकार अब पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से सताए गए गैर-मुस्लिम प्रवासियों - हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई को भारतीय नागरिकता देना शुरू करेगी, जो 31 दिसंबर, 2014 से पहले भारत आए थे।

विपक्षी गठबंधन पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा, विपक्षी गठबंधन झूठ और धोखे की राजनीति करने में व्यस्त है। उन्होंने कहा, मैं कह रहा हूं कि भ्रष्टाचार हटाओ। विपक्ष कह रहा है कि भ्रष्टाचारियों को बचाओ। मैं सुनिश्चित करूंगा कि भ्रष्टाचारियों को सजा मिले और गरीबों को न्याय मिले। अगले पांच साल में भ्रष्टाचारियों के खिलाफ और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। विपक्षी खेमे पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि आजादी के बाद छह-सात दशकों में देश ने केवल कांग्रेस सरकार का मॉडल देखा है। उन्होंने कहा, पिछले 10 साल में देश ने भाजपा की सरकार देखी है। आपने जो विकास देखा है वह सिर्फ एक ट्रेलर है, मेरे पास अभी भी देश के लिए करने के लिए बहुत कुछ है। हमें देश को आगे ले जाना है।

आईटीआर के फॉर्म ई-फाइलिंग पोर्टल पर उपलब्ध

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग ने बृहस्पतिवार को कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) जमा करने से संबंधित फॉर्म ई-फाइलिंग पोर्टल पर उपलब्ध करा दिए गए हैं और बीते चार दिन में करीब 23,000 रिटर्न दाखिल किए जा चुके हैं। हाल के वर्षों में पहली बार आयकर विभाग ने करदाताओं को नए वित्त वर्ष के पहले दिन ही अपना आईटी रिटर्न दाखिल करने में सक्षम बनाया है। यह कर अनुपालन में सुगमता और निर्बाध करदाता सेवाओं की दिशा में उठाया गया कदम है। आईटीआर फॉर्म 1 (सहज) और आईटीआर फॉर्म 4 (सुगम) बड़ी संख्या में छोटे और मझोले करदाताओं की जरूरतों को पूरा करते हैं। वहीं आईटीआर-2 आवासीय संपत्ति से आय वाले लोगों द्वारा दाखिल किया जाता है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने एक बयान में कहा कि उसने करदाताओं को आकलन वर्ष 2024-25 (वित्त वर्ष 2023-24 के लिए प्रासंगिक) के लिए एक अप्रैल, 2024 से अपने आईटीआर दाखिल करने की सुविधा दे दी है।

युद्ध क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए

परिवर्तनकारी सुधार करने की योजना बना रही है सेना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सेना भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए युद्ध क्षमताओं को बढ़ाने के समग्र प्रयासों के तहत परिवर्तनकारी सुधार करने की योजना बना रही है। शीर्ष सैन्य कमांडरों ने सुरक्षाबलों के समक्ष आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए युद्ध क्षमता को बढ़ाने और एक प्रतिद्वंद्वी बल के रूप में कार्य करने के लिए एक मजबूत व्यावहारिक संगठन बनाने की व्यवहार्यता पर काम करने का निर्णय लिया है।

कमांडरों ने एक सम्मेलन में सैन्य बल की मानव संसाधन प्रबंधन नीति को संशोधित करने का भी निर्णय लिया ताकि प्रौद्योगिकी-सक्षम भविष्य के लिए तैयार भारतीय सेना की आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में इसे और

अधिक उन्नत बनाया जा सके। सेना के शीर्ष अधिकारियों ने 'आत्मनिर्भरता' पर ध्यान केंद्रित करते हुए भविष्य की क्षमता विकास की दिशा में विशिष्ट प्रौद्योगिकी को शामिल करने के लिए संगठनात्मक और प्रक्रियात्मक परिवर्तन करने की भी प्रतिबद्धता जताई। इसने कहा कि इस पहल को और बढ़ावा देने के लिए कोष के वास्ते एक अलग मद बनाने का विकल्प तलाशा जाएगा।

सेना के शीर्ष अधिकारियों ने एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय लिया जिसके तहत सैन्य बल की मानव संसाधन प्रबंधन नीतियों को संशोधित किया जाएगा और प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे के साथ विशिष्ट प्रौद्योगिकी को जोड़ा जाएगा। इसने बयान में कहा, संशोधित नीति प्रौद्योगिकी-सक्षम भविष्य के लिए तैयार भारतीय सेना की आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में अधिक सहायक और उन्नत होगी।

केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से हटाने संबंधी याचिका पर सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटाने का अनुरोध करने वाली एक जनहित याचिका पर सुनवाई से बृहस्पतिवार को इनकार कर दिया। उच्च न्यायालय ने कहा कि कई बार राष्ट्रीय हित को निजी हित के ऊपर तरजीह देनी होती है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पीएस अरोड़ा की पीठ ने कहा, कई बार राष्ट्रीय हित को निजी हित से ऊपर रखना पड़ता है लेकिन यह उनका व्यक्तिगत फैसला है। हमें एक अदालत के तौर पर कानून के अनुसार चलना होगा। आपका समाधान यहां नहीं, कहीं और है। आप सक्षम प्राधिकरण के पास जाइए।

पड़ोसियों के साथ भारत के रिश्ते पहले से काफी बेहतर हैं : जयशंकर

तिरुवनंतपुरम/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि चीन और पाकिस्तान को छोड़कर सभी पड़ोसियों के साथ भारत के संबंधों में पहले की तुलना में काफी सुधार हुआ है। क्षेत्र में भारत की कूटनीतिक प्रगति को रेखांकित करने के लिए यहां मीडिया से बातचीत के दौरान जयशंकर ने कहा कि चीन के साथ भारत के संबंध चुनौतीपूर्ण हैं, लेकिन देश आश्वस्त है और अपने हितों की रक्षा करने में सक्षम है। यह पूछे जाने पर कि क्या भारत के आसपास के छोटे देशों में चीनी हस्तक्षेप चिंता का विषय है, जयशंकर ने कहा, चीन के साथ हमारे रिश्ते चुनौतीपूर्ण हैं। लेकिन यह (भारत) एक ऐसा देश है जो आज आश्वस्त है, जो अपने हितों को आगे बढ़ाने और उनकी रक्षा करने में सक्षम है तथा प्रतिस्पर्धी दुनिया में हम प्रतिस्पर्धा करेंगे।

भारत ने किया परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम

'अग्नि-प्राइम' बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने ओडिशा अपतटीय क्षेत्र में एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम नई पीढ़ी की बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि-प्राइम' का सफल परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह परीक्षण बुधवार शाम किया गया। मंत्रालय ने कहा कि मिसाइल के विश्वसनीय प्रदर्शन के साथ परीक्षण के सभी उद्देश्य हासिल कर लिए गए। सामरिक बल कमान (एसएफसी) ने रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के साथ मिलकर 1,000 से 2,000 किमी की मारक क्षमता वाली मिसाइल का उड़ान परीक्षण किया।

सोनिया गांधी और अश्विनी वैष्णव सहित

14 सांसदों ने राज्यसभा सदस्य के रूप ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव समेत 14 सांसदों ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली।

उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने नए संसद भवन में उन्हें शपथ दिलाई।

सोनिया गांधी ने राजस्थान से उच्च सदन के सदस्य के रूप में शपथ ली जबकि वैष्णव ने ओडिशा से राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली।

कर्नाटक से कांग्रेस नेता अजय माकन और सैयद नासिर हुसैन, उत्तर प्रदेश से भाजपा नेता आरपीएन सिंह और पश्चिम बंगाल से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समिक भट्टाचार्य उन 14 नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली। जनता दल (यूनाइटेड) के टिकट पर बिहार से निर्वाचित संजय कुमार झा, ओडिशा की सत्तारूढ़ बीजू जनता दल से सुभाशीष खूंटिया और देबाशीष सामंत्रे जबकि राजस्थान से भाजपा के टिकट पर निर्वाचित मदन राठौड़ ने भी उच्च सदन की सदस्यता की शपथ ली। आंध्र प्रदेश से वाईएसआरसीपी नेता गोला बाबू राव, मेधा रघुनाथ रेड्डी और येरम वेंकट सुब्बा रेड्डी ने भी राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। सभी ने बाद में राज्यसभा सभापति के साथ सामूहिक फोटो खिंचवाई।

भारत को महाशक्ति बनाने के लिए मोदी को एक बार फिर प्रधानमंत्री बनाना जरूरी : शिंदे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यवतमाल/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत को महाशक्ति बनाने के लिए जरूरी है कि नरेन्द्र मोदी एक बार फिर देश के प्रधानमंत्री बनें। उन्होंने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार को पेश करने में विफल रहने और कोई एजेंडा नहीं होने के लिए विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' पर भी हमला किया। शिंदे अपनी पार्टी शिवसेना की राजश्री पाटिल द्वारा नामांकन दाखिल करने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। राजश्री पाटिल सत्तारूढ़ महायुति की ओर से यवतमाल-वाशिम लोकसभा सीट की उम्मीदवार हैं। राजश्री पाटिल हिंगोली के मौजूदा सांसद हेमंत पाटिल की पत्नी हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का जिक्र करते हुए शिंदे ने कहा, यह भारत के लिए एक महत्वपूर्ण (लोकसभा) चुनाव है ताकि एक देशभक्त प्रधानमंत्री बने। वही व्यक्ति हैं जिन्होंने साहस दिखाया और अनुच्छेद 370 को निरस्त किया और अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण किया। मुख्यमंत्री ने कहा, अगर भारत को महाशक्ति बनाना है तो मोदी जी को दोबारा प्रधानमंत्री बनाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। 'इंडि' गठबंधन पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास न तो कोई एजेंडा है, न ही कोई झंडा और न ही कोई नेता है। शिंदे ने कहा, विपक्ष के पास प्रधानमंत्री पद का कोई उम्मीदवार भी नहीं है और उनका गठबंधन टूट रहा है। एक तरफ, मोदी से नफरत करने वाले लोग हैं, जबकि दूसरी तरफ वे लोग हैं जिनका उद्देश्य विकास के एजेंडे के साथ आगे बढ़ना है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के पास नीति है और वह फैसले लेती है, जबकि विपक्ष भ्रष्टाचार में लिप्त है।

आईयूएमएल के समर्थन को लेकर 'शर्मिंदा' हैं राहुल गांधी : स्मृति ईरानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड (केरल)/भाषा। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने बृहस्पतिवार को राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस सांसद आईयूएमएल को लेकर ''शर्मिंदा'' हैं और इसलिए इस पर्वतीय जिले में उनके रोडशो के दौरान उनके सहयोगी दल के झंडे दिखाई नहीं दिए।

गांधी के संसदीय क्षेत्र वायनाड में भाजपा के लिए प्रचार कर रहीं महिला एवं बाल विकास मंत्री ने कहा कि अगर वह इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) को लेकर शर्मिंदा हैं तो उन्हें उनका समर्थन नकार देना चाहिए। ईरानी ने 2019 के आम चुनाव में राहुल गांधी को अमेठी में हराया था। उन्होंने गांधी पर केरल में वाम मोर्चे के कथित कुशासन के संबंध में चुप रहने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, केरल में सहकारी बैंकों में घोटाले, राज्य निधि का कुप्रबंधन, इन मुद्दों पर राहुल गांधी की चुप्पी, विशेष रूप से 'इंडी' गठबंधन में सहयोगी वाम मोर्चे का कुशासन बहुत कुछ कहता है। राहुल गांधी सुशासन के बजाय सत्ता चाहते हैं।

वायनाड लोकसभा सीट से भाजपा की राज्य प्रमुख के. सुरेंद्रन के नामांकन दाखिल करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए ईरानी ने यह भी कहा कि उन्हें हैरानी है कि कांग्रेस नेता ने सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) का समर्थन कथित तौर पर स्वीकार कर लिया है जो प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की राजनीतिक शाखा है। उन्होंने कहा, उनका (एसडीपीआई) समर्थन

स्वीकार करके उन्होंने (राहुल गांधी) नामांकन दाखिल करने के दौरान ली गई संविधान की शपथ का भी उल्लंघन किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि गांधी जब दक्षिण भारत में राजनीति करते हैं तो सनातन धर्म के खिलाफ शत्रुता पैदा करते हैं। ईरानी ने सवाल किया कि वह चुनाव प्रचार के दौरान उत्तर भारत के हर बड़े मंदिर में क्यों जाते हैं? उन्होंने यह भी पूछा कि 'इंडि' (इंडियन नेशनल डेवलेपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस) गठबंधन का प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार कौन है और क्या राहुल गांधी उस पद के लिए स्वीकार्य पसंद हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, तो यह ऐसा गठबंधन है जिसका कोई 'नेता' नहीं है, कोई 'नीति' नहीं है और उसकी 'नीयत' लूटने की है जिसे भारत का प्रत्येक नागरिक जानता है। ईरानी ने यह भी दावा किया कि 'इंडि' गठबंधन ''बिखरा हुआ'' है क्योंकि सहयोगी दल कांग्रेस और वाम मोर्चा वायनाड लोकसभा क्षेत्र तथा पूरे राज्य में एक-दूसरे के खिलाफ लड़ रहे हैं।

तिहाड़ जेल में छह महीने रहने के बाद

'अन्याय, तानाशाही' से लड़ने का संकल्प मजबूत हुआ : संजय सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि जेल में छह महीने बिताने के बाद उनका मनोबल बढ़ा है और साथ ही अन्याय एवं तानाशाही के खिलाफ लड़ने का संकल्प मजबूत हुआ है। जमानत मिलने के बाद बुधवार को तिहाड़ जेल से बाहर आए सिंह ने पीटीआई-भाषा से कहा कि जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और पूर्व मंत्री सत्येन्द्र जैन भी जल्द रिहा होंगे।

सिंह ने कहा, हमने हमेशा अत्याचार, अन्याय और तानाशाही के खिलाफ अपनी आवाज उठाई है। चाहे वह किसानों का मुद्दा हो, महंगाई हो, मणिपुर हिंसा हो या दिल्ली से जुड़े मुद्दे हों, हमने हमेशा उनके बारे में बात की है और छह महीने बाद भी ऐसा करना

जारी रखेंगे। उन्होंने यहां आम आदमी पार्टी (आप) कार्यालय में पीटीआई-भाषा से कहा, इस लड़ाई से मुझे अधिक ताकत और आत्मविश्वास मिला है तथा मेरा मनोबल सातवें आसमान पर है। मुझे जेल में पढ़ने का मौका मिला। सिंह ने केजरीवाल के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देने के बारे में अपनी पार्टी का रुख दोहराया।

उन्होंने कहा कि अगर मुख्यमंत्रियों को गिरफ्तार करने और फिर उनसे इस्तीफा मांगने का चलन शुरू हो गया तो लोकतंत्र नहीं बचेगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मांग है कि जेल में जाने के बाद केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

तटरक्षक बल ने खंभात की खाड़ी में गंभीर रूप से घायल मछुआरे को बचाया

नई दिल्ली/भाषा। तटरक्षक बल ने खंभात की खाड़ी में एक भारतीय मत्स्य नौका से गंभीर रूप से घायल एक मछुआरे को बचाया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि तटरक्षक बल के एक चिकित्सा दल ने मछुआरे को शुरूआत उपचार मुहैया कराया और बाद में उसे स्थिर हालत में एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया।

इसमें कहा गया है, भारतीय तटरक्षक स्टेशन पीपावाव ने तीन अप्रैल को खंभात की खाड़ी में तट से 50 किमी. दूर मछली पकड़ने वाली भारतीय नौका से 37 वर्षीय पुष्कर राज नामक गंभीर रूप से घायल मरीज को बचाया। सूचना मिलने के बाद तटरक्षक बल की गश्ती नौका सी-409 को बचाव कार्य में तैनात किया गया । बयान में कहा गया है, गश्ती नौका ने घटनास्थल पर पहुंचने के बाद आईएफबी से संपर्क किया और उसे बताया गया कि मछुआरे को बाएं पैर में 'फ्रैक्चर' हुआ है और उसका टखना अलग हो गया है।

भारत ने धनप्रेषण की लागत में कटौती पर डब्ल्यूटीओ में प्रस्तुति दी

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के वरिष्ठ अधिकारियों ने धनप्रेषण की लागत कम करने से संबंधित एक प्रस्तुति विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के सदस्यों के समक्ष दी है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। भारत चाहता है कि धनप्रेषण या रेमिटेंस की लागत को कम करने के लिए डब्ल्यूटीओ के सदस्य देशों के बीच यूपीआई जैसी खुली और अंतर-संचालनीय भुगतान प्रणालियों को अपनाया जाए। इसके लिए वह इस समूह पर दबाव डाल रहा है। प्रेषण लागत में कटौती के लिए भारत डिजिटल हस्तांतरण को प्रोत्साहित करने, अंतर-संचालनीय प्रणालियों को बढ़ावा देने, प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने, नियमों को सुव्यवस्थित करने और मूल्य-निर्धारण पारदर्शिता बढ़ाने का सुझाव दे रहा है। भारत ने इस संबंध में एक प्रस्ताव फरवरी में अबू धाबी में आयोजित डब्ल्यूटीओ के 13वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में भी रखा था। अधिकारी ने कहा, हमने प्रेषण की लागत पर एक प्रस्तुति देने का अनुरोध किया था। आरबीआई और एनपीसीआई ने 25 मार्च को यह प्रस्तुति दी थी। जिनेवा में इस विषय पर आगे भी बैठकें जारी रहेंगी।

मार्च तिमाही में मांग सुस्त, पर ग्रामीण बाजार पकड़ रहा है रफ्तार : डाबर

नई दिल्ली/भाषा। रोजमर्रा के इस्तेमाल का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली प्रमुख कंपनी डाबर ने कहा है कि बीते वित्त वर्ष (2023-24) की मार्च तिमाही में मांग सुस्त रही है, लेकिन ग्रामीण बाजार ने रफ्तार पकड़ी है। कंपनी को उम्मीद है कि रबी की अच्छी फसल और सामान्य मानसून के पूर्वानुमान से आने वाले महीनों में खपत बढ़ेगी। घरेलू कंपनी ने अपने तिमाही आंकड़े जारी करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में वृद्धि को मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों की कीमतें गिरने से समर्थन मिला है। इससे ग्रामीण और शहरी बाजार में अंतर कम हो गया है। डाबर ने कहा, रबी फसल की कटाई के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण और मानसून सामान्य रहने के पूर्वानुमान के साथ उम्मीद है कि आने वाले महीनों में खपत बढ़ेगी। कंपनी ने कहा, जहां पिछला वर्ष उपभोक्ता मांग के मामले में चुनौतीपूर्ण था, हमें उम्मीद है कि आगे चलकर उपभोग में सुधार होगा क्योंकि व्यापक आर्थिक संकेतक लगातार मजबूत बने हुए हैं। कंपनी के पास डाबर च्यवनप्राश, डाबर हनी, डाबर पुदीन हरा, डाबर लाल तेल, डाबर आंवला, डाबर रेड पेस्ट, रियल और वाटिका जैसे ब्रांड हैं।

राजपूत महिला नेता ने रूपाला के खिलाफ अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात में एक राजपूत महिला नेता ने केंद्रीय मंत्री परषोत्तम रूपाला को राजकोट लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार के रूप में हटाने के लिए सत्तारूढ़ पार्टी पर दबाव बनाने के उद्देश्य से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की है। यह भूख हड़ताल तब शुरू की गई है जब कुछ दिनों पहले रूपाला की क्षत्रिय समुदाय को लेकर की कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों से विवाद खड़ा हो गया था।

राजपूत समुदाय के एक ट्रस्ट परिसर में बुधवार को अनिश्चितकालीन अनशन शुरू करने वाली महिला नेता पद्मिनीबा वाला ने दावा किया कि अगर भाजपा ने रूपाला को चुनाव उम्मीदवार के रूप में नहीं हटाया तो राजपूत महिलाएं 'जौहर' (आत्मदाह) तक करेंगी। पद्मिनीबा

वाला ने राजकोट में पत्रकारों से कहा, मैंने बुधवार को अपनी भूख हड़ताल शुरू की और आज दूसरा दिन है। जब तक रूपाला को (राजकोट से भाजपा उम्मीदवार के रूप में) नहीं हटाया जाता, मैं खाना नहीं खाऊंगी। राजपूत समाज इससे कम पर राजी नहीं होगा। यदि हमारे अनुरोध के बावजूद उन्हें नहीं हटाया गया तो जरूरत पड़ने पर राजपूत महिलाएं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यालयों में 'जौहर' करेंगी। इस बीच, बृहस्पतिवार को बातचीत में रूपाला ने कहा कि राजपूत (क्षत्रिय) समेत सभी समुदाय उनका समर्थन करते हैं। वह दिल्ली में मंत्रिमंडल की एक बैठक में भाग लेने के बाद बृहस्पतिवार सुबह अहमदाबाद हवाई अड्डा पहुंचे।

रूस-यूक्रेन युद्ध लड़ने के लिए मजबूर किए गए केरल के दो व्यक्ति घर लौटे

तिरुवनंतपुरम/भाषा। निजी एजेंसियों द्वारा रूसी सेना में भर्ती किए जाने के बाद, सुरक्षित घर लौटे केरल के दो लोगों ने रूस-यूक्रेन युद्ध क्षेत्र में अपना खौफनाक अनुभव बयां किया और प्राधिकारियों से ऐसी ही परिस्थितियों में फंसे दो अन्य नागरिकों को स्वदेश लाने में मदद करने का अनुरोध किया। तिरुवनंतपुरम निवासी प्रिंस और डेविड मुथप्पन पिछले दो दिनों में केरल लौटे हैं।

नई दिल्ली में केंद्रीय सरकारी एजेंसियों को बयान दर्ज कराने के बाद तिरुवनंतपुरम केंद्रीय रेलवे स्टेशन पहुंचे मुथप्पन ने मीडिया से बातचीत की। उन्हें यूक्रेनी सेना के खिलाफ लड़ने के लिए मजबूर किया गया। मुथप्पन ने कहा कि उसने कभी जीवित घर लौटने की उम्मीद नहीं की थी। उसने मीडिया को बताया, मूल प्रशिक्षण मिलने के बाद हमें सीधा लड़ाई के लिए युद्ध मोर्चे पर ले जाया गया। हमने जहां भी देखा, शव ही शव बिखरे मिले। एक दिन पहले यहां पहुंचे प्रिंस ने कहा कि वह घायल हो गया था और 30 दिन से अधिक समय तक रूस के एक अस्पताल में भर्ती रहा था।

भारत निर्णायक मोड़ पर खड़ा : राहुल

देश 'बनाने' और बिगाड़ने वालों के बीच फर्क करना होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश इस समय निर्णायक मोड़ पर खड़ा है और ऐसे में हर वर्ग को 'देश बनाने' और 'देश बिगाड़ने' वालों के बीच का फर्क पहचानना होगा। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, देश इस वक्त निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। हर वर्ग को 'देश बनाने' और 'देश बिगाड़ने' वालों के बीच का फर्क पहचानना होगा।

उन्होंने कहा, कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन का मतलब: युवाओं की पहली नौकरी पक्की, किसानों को एमएसपी की गारंटी, हर गरीब महिला लखपति, श्रमिक को न्यूनतम 400 रू प्रतिदिन, जातिगत गिनती और आर्थिक सर्वे और सुरक्षित संविधान एवं नागरिक के अधिकार है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा का मतलब बेरोज़गारी पक्की, किसानों पर कर्ज़ का बोझ, असुरक्षित और अधिकार विहीन महिलाएं, मजबूर और बेबस मज़दूर, वंचितों के साथ भेदभाव और शोषण, तानाशाही और दिखावे का लोकतंत्र है। राहुल गांधी ने कहा, आपका भविष्य आपके हाथों में है, सोचिए, समझिए और सही फैसला कीजिए।

अनुच्छेद 370 हटाए जाने से लोग खुश होंगे तो वे भाजपा को वोट देंगे : उमर अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को कहा कि अगर लोग पूर्ववर्ती राज्य जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के निरस्त होने से खुश हैं तो उन्हें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को वोट देना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के एक कार्यक्रम में कहा, लोगों को फैसला करना चाहिए और दिल्ली को एक संदेश भेजना चाहिए। अगर जम्मू-कश्मीर के लोग पांच अगस्त, 2019 के फैसले से संतुष्ट हैं, तो उन्हें नेशनल कॉन्फ्रेंस को वोट नहीं देना चाहिए।

अब्दुल्ला ने कहा, लेकिन अगर वे अनुच्छेद 370 को हटाए जाने से नाखुश हैं, तो उन्हें नेशनल कॉन्फ्रेंस के उम्मीदवारों को वोट देना चाहिए। केंद्र ने पांच अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त करते हुए जम्मू कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों- जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया। दिसंबर में उच्चतम न्यायालय ने केंद्र के इस फैसले को बरकरार रखा था। अब्दुल्ला ने यह भी उम्मीद जताई कि लोग चुनाव में सोच-समझकर वोट करेंगे। उन्होंने कहा, फैसला मतदाता को करना है। जिस तरह से हमें धोखा दिया गया और अपमानित किया गया। यदि किसी अन्य माध्यम से नहीं, तो कम से कम हमें अपने वोट माध्यम से अपनी आवाज उठानी चाहिए। यहां जो राजनीतिक शून्यता पैदा हुई है उसे भरने का मतदाताओं के लिए एक बड़ा अवसर है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह केंद्र शासित प्रदेश के बाहर विपक्षी गठबंधन 'इंडि' के लिए प्रचार करेंगे, अब्दुल्ला ने कहा, जम्मू-कश्मीर के बाहर प्रचार करने वाला मैं कौन होता हूं? मैं नेशनल कॉन्फ्रेंस का एक साधारण कार्यकर्ता हूं। मेरी जिम्मेदारी नेशनल कॉन्फ्रेंस के लिए (कश्मीर में) तीन सीटों के प्रति और जम्मू में दो सीटों पर कांग्रेस की मदद करने के लिए है।

कांग्रेस ने राम मंदिर निर्माण में बाधा डाली, हिंदू-मुस्लिम विभाजन किया : मुख्यमंत्री यादव

बैतूल/भाषा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बृहस्पतिवार को यहां कहा कि कांग्रेस ने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण में 70 साल तक बाधाएं डालीं और इस मुद्दे पर हिंदुओं और मुसलमानों को विभाजित किया।

मौजूदा भाजपा सांसद दुर्गादास उइके के समर्थन में एक रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने दावा किया कि भगवान राम ने 17 लाख साल पहले अपना शरीर त्याग दिया था और यह रामसेतु पर नासा की रिपोर्ट में कहा गया है जो रामेश्वरम से श्रीलंका तक जाता है। उन्होंने कहा कि यह भगवान राम के अस्तित्व का प्रत्यक्ष प्रमाण है। उन्होंने कहा, राम मंदिर का निर्माण आजादी के बाद हो सकता था लेकिन कांग्रेस ने 70 साल तक इसमें बाधाएं डालीं। उन्होंने इस मुद्दे पर हिंदुओं और मुसलमानों को विभाजित कर दिया। भारत में बड़ी संख्या में मुस्लिम रहते हैं लेकिन अयोध्या में राम मंदिर में पाणप्रतिष्ठा के दौरान कोई विवाद नहीं हुआ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाला राजग लोकसभा चुनाव में 400 का आंकड़ा पार कर जाएगा। उन्होंने कहा कि यहां तक कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी इस आंकड़े के बारे में बात की है।

बैतूल (एसटी) सीट 1996 से भाजपा जीतती आ रही है। उइके का मुकाबला कांग्रेस के राम टेकाम से होगा।

भाजपा के साथ गठबंधन से नेकां, पीडीपी को फायदा हुआ : आजाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आज़ाद ने अपनी प्रतिद्वंद्वी नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की ओर से लगाए गए इस आरोप को खारिज किया है कि उनकी नवगठित पार्टी की भाजपा के साथ सांठगांठ है।

भाजपा के साथ नेकां और पीडीपी के अतीत में हुए गठबंधन पर आजाद ने पूछा कि क्या वे भाजपा की 'बी' टीम हैं? आज़ाद ने पीटीआई की वीडियो सेवा के साथ बातचीत में कहा कि उनकी पार्टी की प्राथमिकताओं में जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल कराना शामिल है और यह दिल्ली तथा पुडुचेरी जैसे केंद्र शासित प्रदेशों की तर्ज पर न हो। वह अपनी डीपीएपी से चुनाव लड़ रहे हैं। इस सवाल पर कि उनकी पार्टी को भाजपा की 'बी टीम' के रूप में देखा जाता है, आज़ाद ने भाजपा के साथ क्षेत्रीय दलों के पुराने संबंधों की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, 'ए' और 'बी'

टीम में घाटी के वे लोग शामिल हैं जो भाजपा नेता अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में मंत्री थे, या जिन्होंने राज्य में भाजपा के विधायकों की मदद से सरकार चलाई। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, मैंने कभी किसी से मदद नहीं ली। (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी के समय में, मैं विपक्ष का नेता था, मंत्री नहीं। जब मैं मुख्यमंत्री था तो मैंने भाजपा से कोई समर्थन नहीं लिया। आप जानते हैं कि वे राजनीतिक दल कौन हैं और उन्हें भी पता होगा कि दूसरों पर उंगली उठाने से पहले उन्हें खुद पर नजर डालनी चाहिए। पीडीपी का भाजपा के साथ राजनीतिक गठबंधन था। भाजपा के समर्थन से दिवंगत मुफ्ती मोहम्मद सईद और उनकी बेटी महबूबा मुफ्ती भी राज्य की मुख्यमंत्री रही थीं जबकि नेकां के उमर अब्दुल्ला 1999 में वाजपेयी नीत केंद्र सरकार में राज्य मंत्री रहे।

तेलंगाना में जंगली हाथी ने एक और किसान को कुचलकर मार डाला

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के कुमारम भीम आसिफाबाद जिले में कथित तौर पर जंगली हाथी के हमले में एक और किसान की मौत हो गई। वन विभाग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक दिन पहले जंगली हाथी ने एक किसान को कुचल दिया था। इस घटना में पड़ोसी महाराष्ट्र से एक जंगली हाथी प्राणहिता नदी पार करके तेलंगाना में घुसा और कुमारम भीम आसिफाबाद जिले के बाहरी इलाके में स्थित एक गांव बूरेपल्ली में खेत में काम कर रहे किसान पर कथित तौर पर हमला कर दिया। अधिकारियों के मुताबिक, पहली बार कोई जंगली हाथी तेलंगाना में घुसा। उन्होंने कहा कि राज्य में पहले कोई जंगली हाथी नहीं था। अधिकारियों ने बताया कि बृहस्पतिवार को जिले के कोंडापल्ली गांव के निकट एक व्यक्ति के खेत में सुबह करीब पांच से छह बजे के बीच इसी तरह की घटना हुई और हाथी को भगाने के प्रयास जारी हैं। अधिकारियों ने इससे पहले कहा था कि जंगली हाथी महाराष्ट्र में प्राणहिता नदी के दूसरी ओर घूम रहे 70-75 हाथियों में शामिल था। तेलंगाना वन विभाग के अधिकारी स्थिति पर नजर रख रहे हैं। वन अधिकारियों ने यह सुनिश्चित करने के लिए पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है कि हाथी गांव में न घुसे।

प्याज, टमाटर के दाम बढ़ने से शाकाहारी थाली मार्च में हुई सात प्रतिशत महंगी : रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्याज, टमाटर के दाम बढ़ने से शाकाहारी थाली मार्च में हुई सात प्रतिशत महंगी : रिपोर्ट

मुंबई/भाषा। मार्च महीने में प्याज, टमाटर और आलू की कीमतें बढ़ने से शाकाहारी थाली सालाना आधार पर सात प्रतिशत तक महंगी हो गई। घरेलू रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की एक इकाई ने बृहस्पतिवार को यह सर्वेक्षण पेश किया। क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिसिस ने अपनी मासिक 'रोटी चावल दर' रिपोर्ट में कहा कि पॉल्ट्री की कीमतें घटने से पिछले महीने मांसाहारी थाली की लागत में सात प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

शाकाहारी थाली में रोटी, सब्जियां (प्याज, टमाटर और आलू), चावल, दाल, दही और सलाद आता है। इस थाली की कीमत मार्च में बढ़कर 27.3 रुपये प्रति प्लेट हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 25.5 रुपये थी। हालांकि, फरवरी के 27.4 रुपये की तुलना में मार्च में शाकाहारी थाली की कीमत घटी है।

रिपोर्ट कहती है, आवक कम होने और कम आधार दर के कारण

प्याज का दाम सालाना आधार पर 40 प्रतिशत, टमाटर का दाम 36 प्रतिशत और आलू का दाम 22 प्रतिशत बढ़ने से शाकाहारी थाली महंगी हो गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, कम आवक के कारण एक साल पहले की तुलना में चावल का दाम भी 14 प्रतिशत और दालों की कीमतें 22 प्रतिशत बढ़ गई हैं।

वहीं मांसाहारी थाली की कीमत एक साल पहले की समान अवधि में 59.2 रुपये थी जो पिछले महीने घटकर 54.9 रुपये रह गई। लेकिन फरवरी के 54 रुपये प्रति थाली की तुलना में इसकी कीमत अब भी अधिक है।

दरअसल ब्रॉयलर मुर्गे की कीमतों में 16 प्रतिशत की गिरावट आने से सालाना आधार पर मांसाहारी थाली की लागत घटी। मांसाहारी थाली में ब्रॉयलर का भारांक 50 प्रतिशत होता है।

हालांकि, फरवरी की तुलना में मार्च में रमजान के पवित्र महीने की शुरुआत होने और अधिक मांग आने से ब्रॉयलर की कीमतें पांच प्रतिशत बढ़ गईं।

पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी, भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने लोकसभा चुनाव के लिए दाखिल किया नामांकन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जनता दल सेक्युलर (जदएस) के नेता एच.डी. कुमारस्वामी, उनके बहनोई व प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ सी.एन. मंजूनाथ, बेंगलूरु दक्षिण के सांसद तेजस्वी सूर्या समेत अन्य उम्मीदवारों ने आगामी लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए नामांकन दाखिल किया। कर्नाटक में 26 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के लिए मतदान होना है, जिसके लिए नामांकन दाखिल करने का बृहस्पतिवार को आखिरी दिन है।

पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने मंडया लोकसभा सीट से नामांकन दाखिल किया। उनके साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिग्गज नेता बी.एस. येडीयुरप्पा, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और मैसूरु से पार्टी के उम्मीदवार यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार भी मौजूद थे। यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार मैसूरु के पूर्ववर्ती राजवंश के सदस्य हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा की अध्यक्षता वाली जद(एस) पिछले साल सितंबर में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल हुई थी। कर्नाटक में सीट-बंटवारे पर सहमति के तहत भाजपा 25 लोकसभा सीट और जदएस शेष तीन सीट पर चुनाव लड़ेगी, जिसमें मंडया, हासन और कोलार लोकसभा सीट शामिल है।

भाजपा और जदएस के बीच सहमति के मुताबिक, देवेगौड़ा के दामाद मंजूनाथ ने बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया। नामांकन दाखिल करते वक्त मंजूनाथ के साथ उनकी पत्नी अनसूइया, भाजपा नेता और विधायक सीएन अश्वथ नारायण, मुनीरत्ना और एमपी कृष्णप्पा शामिल थे।

लोकसभा चुनाव के लिए बेंगलूरु दक्षिण से भाजपा उम्मीदवार तेजस्वी सूर्या ने गुरुवार को अपना नामांकन दाखिल किया और निर्वाचन क्षेत्र से भारी अंतर से जीत के प्रति आश्वस्त दिखे। भाजपा पार्टी कार्यकर्ताओं के जबरदस्त समर्थन से उत्साहित सूर्या ने जयनगर के मैयास होटल जंक्शन से अशोक स्तंभ के पास आरओ कार्यालय तक एक उत्साही मार्च का नेतृत्व किया। हजारों उत्साही युवाओं के साथ उन्होंने उत्साह और दृढ़ संकल्प के साथ अपना नामांकन दाखिल किया। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, मैसूर के सांसद प्रताप सिम्हा, कर्नाटक में विपक्ष के नेता आर अशोक और अन्य उपस्थित थे।

सूर्या के नामांकन का दिन जद (एस) के युवा नेता निखिल कुमारस्वामी की यात्रा के साथ शुरू हुआ, जिसने सितारों से भरे कार्यक्रम के लिए मंच तैयार किया। दोनों ने मिलकर सूर्या के आवास के पास गिरिनगर में गणपति मंदिर में पूजा-अर्चना की। नामांकन दाखिल करने से पहले सूर्या ने विद्यार्थी भवन में गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत के साथ नाश्ता भी किया। नामांकन के दौरान उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में राज्य सांसद जग्गेश, विधायक रवि सुब्रमण्यम, सतीश रेड्डी, सीके राममूर्ति, उदय गरुड़चार और टीए श्रवण जैसे अन्य वरिष्ठ जेडीएस नेता शामिल थे। भीड़ को संबोधित करते हुए, केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस को देश की जनता ने नकार दिया है। कांग्रेस एक आरएसवीपी पार्टी है, जो केवल राहुल, सोनिया, वाड्रा और प्रियंका के बारे में है, जबकि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है। पिछले 1 साल में बेंगलूरु भी जल संकट से जूझ रहा है, जिसके लिए राज्य की कांग्रेस सरकार जिम्मेदार है।

पहले चरण में 28 लोकसभा सीटों में से 14 सीटों पर मतदान होगा। नामांकन की जांच पांच अप्रैल को होगी और आठ अप्रैल को नामांकन वापस लेने का आखिरी दिन है।

कुमारस्वामी और उनकी पत्नी के पास 217.21 करोड़ रुपये की संपत्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच. डी. कुमारस्वामी और उनकी पत्नी अनीता के पास करीब 217.21 करोड़ रुपये की संपत्ति है। कुमारस्वामी ने मंडया लोकसभा सीट से जनता दल (सेक्युलर) के उम्मीदवार के तौर पर बृहस्पतिवार को नामांकन पत्रों के साथ एक हलफनामा दाखिल किया, जिसमें यह जानकारी दी गई है। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के बेटे कुमारस्वामी और उनकी पत्नी पर करीब 82.17 करोड़ रुपये की देनदारी है।

पूर्व विधायक अनीता अपने पति कुमारस्वामी (65) से अमीर हैं और उनकी कुल संपत्ति 154.39 करोड़ रुपये है। कुमारस्वामी की कुल संपत्ति 54.65 करोड़ रुपये है। उनके नाम पर एचयूएफ (हिंदू अविभाजित परिवार) की लगभग 8.17 करोड़ रुपये की संपत्ति भी है।

विज्ञान में स्नातक तक की पढ़ाई कर चुके पूर्व मुख्यमंत्री ने खुद को एक सामाजिक कार्यकर्ता, राजनीतिज्ञ और कृषक घोषित किया है। अनीता निखिल एंड कंपनी के नाम से पेट्रोल और पेट्रोलियम उत्पादों के व्यवसाय से जुड़ी उद्यमी हैं और कस्तूरी मीडिया प्राइवेट लिमिटेड में निदेशक हैं।

कुमारस्वामी के खिलाफ तीन आपराधिक मामले लंबित हैं। उनके पास कोई कार नहीं हैं और 12.55 लाख रुपये का ट्रैक्टर है। अनीता के पास 11.15 लाख रुपये मूल्य की कार है। कुमारस्वामी के पास 47.06 लाख रुपये का सोना और 2.60 लाख रुपये के हीरे हैं, जबकि अनीता के पास 2.41 करोड़ रुपये मूल्य का सोना और 33.09 लाख रुपये के हीरे हैं।

देवेगौड़ा के पोते ने हासन सीट से एनडीए उम्मीदवार के तौर पर भरा नामांकन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हासन। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पोते और जनता दल (सेकुलर) सांसद प्रज्वल रेवन्ना ने गुरुवार को कर्नाटक के हासन संसदीय सीट से एनडीए उम्मीदवार के रूप में नामांकन दायर किया। हासन जिलायुक्त कार्यालय पर नामांकन के दौरान स्वयं पूर्व प्रधानमंत्री, उनके बेटे और राज्य के पूर्व मंत्री एच.डी. रेवन्ना, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र तथा पूर्व मुख्यमंत्री डी.वी. सदानंद गौड़ा भी मौजूद थे। नामांकन पत्र भरने के बाद भाजपा और जद (एस) ने एक मेगा रोडशो का आयोजन कर शक्ति प्रदर्शन किया।

रोड शो में विजयेंद्र ने संवादवाताओं के बात करते हुए कहा कि भाजपा और जद (एस) का गठबंधन स्थायी है। यह सिर्फ लोकसभा चुनाव तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार दलितों तथा किसानों के खिलाफ है और उसे उखाड़ फेंकना चाहिए। इसलिए, यह गठबंधन बना है। विजयेंद्र ने कहा, देवेगौड़ा हम सबसे बड़े हैं। पिछली विधानसभा चुनाव में हमें उनका आशीर्वाद नहीं मिला था। इस बार उनका आशीर्वाद हमारे साथ है।

देवेगौड़ा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए यह गठबंधन बनाया है। वह व्यक्तिगत रूप से प्रधानमंत्री से मिले थे और बैठक की थी। हमें एनडीए उम्मीदवार प्रज्वल रेवन्ना की जीत सुनिश्चित करने के लिए काम करना है। पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा कभी हासन सीट से सांसद रहे थे। कांग्रेस ने यहां से 32 वर्षीय श्रेयस एम. पटेल को उम्मीदवार बनाया है जिनके दादा पुट्टास्वामी गौड़ा ने 1999 के लोकसभा चुनाव में देवेगौड़ा को हराया था।

राज्य सरकार अपने खजाने से सूखा राहत देकर मर्दानगी दिखाए : बसवराज बोम्मई

हावेरी/दक्षिण भारत । पूर्व मुख्यमंत्री और हावेरी गदग लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार बसवराज बोम्मई ने कहा कि राज्य सरकार को अपने खजाने से सूखा राहत जारी करने दें और अपनी ताकत दिखाएं, जब हम सत्ता में थे तो हमने बाढ़ में दोगुनी राहत देकर अपनी ताकत दिखाई थी। हनागल तालुक अदूर गांव में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के उस बयान पर पलटवार किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि बीजेपी का एक भी नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने सूखे के बारे में बात करने के लिए खड़ा नहीं है। जिस मालिक को सत्ता में लाया वह संकट में है। उनका काम उनकी मुसीबत में भाग लेना है। हमारे कार्यकाल में जब बाढ़ आई तो हमने बिना किसी का इंतजार किए बाढ़ का दोगुना मुआवजा जारी कर दिया। असली आदमी की परीक्षा अब उसकी है। उन्होंने केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि वह अपने खजाने से पैसा जारी करके दिखाएं। क्या हमें ऊपर से कोई समाधान मिला? नहीं यहीं ढूंढा था। कांग्रसे के पास अब किसानों को मुआवजा देने के लिए खजाना खाली है। वे अपनी विफलता को छुपाने के लिए घटिया बहाने बनाते हैं। वे विफलता पर पर्दा डालने के लिए उस आदमी के बारे में बात कर रहे हैं। जब हम सत्ता में थे तो हमने सच्चे आदमी दिखाए।

बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा सीट पर मंजूनाथ बनाम मंजूनाथ होगा मुकाबला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामनगर। कर्नाटक की बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा सीट पर अपने खिलाफ कई हमनामों के चुनावी मैदान में होने पर भाजपा उम्मीदवार डॉ. सी. एन मंजूनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि ये पुरानी रणनीतियां हैं जो प्रतिद्वंद्वी खेमे में घबराहट को प्रदर्शित करती हैं। मंजूनाथ ने नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद संवाददाताओं से यह बात कही। प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ मंजूनाथ ने कहा, ''ये बहुत पुरानी रणनीतियां हैं। मैं इसे रणनीति के अलावा और कुछ नहीं कहूंगा। इससे पता चलता है कि कुछ लोग घबरा गए हैं।'' मंजूनाथ सरकार द्वारा संचालित जयदेव इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी के निदेशक रहे हैं।

इस चुनाव में डॉ. मंजूनाथ के कई हमनाम प्रतिस्पर्धी हैं। एक प्रतिस्पर्धी उम्मीदवार मंजूनाथ सी एन हैं, जो हासन जिले के चन्नारायपटना के मूल निवासी हैं, जिनके पिता का नाम नंजुंदप्पा है। डॉ. मंजूनाथ के पिता का नाम नंजप्पा है। इन दोनों उम्मीदवारों की पासपोर्ट तस्वीरों में वे काले ब्लेजर और टाई में नजर आ रहे हैं। डॉ. मंजूनाथ के हमनाम अन्य उम्मीदवारों में बेंगलूरु के पापरेड्डीपाल्या के मंजूनाथ.के, बेंगलूरु के राजाजीनगर के इंदिरानगर स्लम के एन. मंजूनाथ और बेंगलूरु के मुदलापाल्या के शक्ति गार्डन के मंजूनाथ.सी शामिल हैं। डॉ. मंजूनाथ ने कहा, ''लोग बुद्धिमान, शिक्षित और विचारशील हैं। वे जानते हैं कि मैं राष्ट्रीय पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार के रूप में कमल के निशान पर चुनाव लड़ रहा हूं।'' उन्होंने इस बात से इनकार किया कि कई हमनामों की मौजूदगी से मतदाताओं के बीच भ्रम की स्थिति पैदा होगी।

ईश्वरप्पा का दावा, शाह ने उनसे मिलने से इनकार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शिव्वमोग्गा लोकसभा सीट से भाजपा के बी.वाई. राघवेंद्र के खिलाफ बागी उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे कर्नाटक के पूर्व उपमुख्यमंत्री के.एस. ईश्वरप्पा ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उनसे मुलाकात नहीं की क्योंकि उनके द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देना उनके लिए मुश्किल हो रहा था। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता ईश्वरप्पा ने कहा कि वह दिल्ली गए क्योंकि शाह ने उन्हें बुलाया था लेकिन मुलाकात नहीं हो सकी।

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने दावा किया, बुलाए जाने पर मैं दिल्ली गया। अगर मैं वहां नहीं जाता तो वे मुझे घमंडी कहते। मैं अमित शाह से नहीं मिल सका। मुझे लगता है कि मुलाकात इसलिए नहीं हुई क्योंकि मैंने उनसे कुछ सवाल पूछे थे, जिनका जवाब देना उनके लिए मुश्किल था।

ईश्वरप्पा भाजपा के दिग्गज नेता बी.एस. येडीयुरप्पा के बेटे राघवेंद्र के खिलाफ शिवमोगा निर्वाचन क्षेत्र में निर्दलीय के रूप में चुनावी मैदान में उतरे हैं। उन्होंने सफाई देते हुए आरोप लगाया कि शाह ने मुलाकात नहीं होने दी।

ईश्वरप्पा ने हैरानी जताई, मैं उनके कार्यालय गया जहां मुझसे कहा गया कि मैं उनसे न मिलूं। यह मेरे लिए अच्छा है। अगर उन्होंने अन्याय की कहानी सुनाने के बाद भी मुझे हटने के लिए कहा होता तो मैं क्या करता? भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि शाह ने सोचा होगा कि वह (ईश्वरप्पा) जो कुछ भी कर रहे हैं वह उचित है क्योंकि वह न्याय के लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने दावा किया, उन्होंने मुझे सिर्फ दिल्ली बुलाया था और मुलाकात नहीं की। इसके अलावा, 75 वर्षीय नेता ने आरोप लगाया, कर्नाटक में, कांग्रेस की संस्कृति भाजपा में आ गई है, जहां येदियुरप्पा की पारिवारिक राजनीति हावी है।

ईश्वरप्पा के करीबी सूत्रों ने कहा कि वह हावेरी निर्वाचन क्षेत्र से अपने बेटे के.ई. कांतेश के लिए टिकट चाहते थे, जो हो नहीं पाया। इससे परेशान होकर उन्होंने इसके लिए येडीयुरप्पा को जिम्मेदार ठहराया। इसलिए उन्होंने येडीयुरप्पा के बड़े बेटे राघवेंद्र के खिलाफ चुनाव लड़ने का फैसला किया।

बोरवेल में फंसे दो साल के बच्चे को 20 घंटे के अभियान के बाद बचाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विजयपुरा। कर्नाटक के विजयापुर जिले के इंडी तालुका के लाचयाना गांव में बोरवेल में गिरे दो साल के बच्चे को करीब 20 घंटे के बचाव अभियान के बाद बृहस्पतिवार को अपराह्न सुरक्षित बचा लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। बोरवेल के अंदर 16 फुट की गहराई में फंसे बच्चे सात्विक सतीश मुजागोंड को सुरक्षित बाहर निकालते ही खुशी की लहर दौड़ गई। बच्चे को तुरंत एक मेडिकल टीम के साथ घटनास्थल पर तैनात एम्बुलेंस में ले जाया गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि जब बच्चे को बोरवेल से बाहर निकाला गया तो उसके शरीर पर कोई चोट का निशान नहीं था।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा कि बच्चे की सुरक्षा के लिए चौबीसों घंटे काम करने वाले कर्मचारियों और जनता की दक्षता सराहनीय है। सिद्दरामैया ने कहा, मुझे यह देखकर ख़ुशी हुई कि बच्चे के परिवार और देश के लाखों लोगों की कामनाएं पूरी हो गईं। मौत पर विजय पा चुका नन्हा बच्चा अपने माता-पिता की गोद में वापस आ गया है।

पुलिस ने कहा कि बच्चे को इंडी के एक अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां उसका प्रारंभिक उपचार किया गया और बाद में उसे जिला अस्पताल में स्थानांतरित किया गया। पुलिस ने बताया कि फिलहाल उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। बच्चे के माता-पिता ने खुशी व्यक्त की और बच्चे को सुरक्षित बचाने में शामिल सभी कर्मियों और अधिकारियों का तहे दिल से आभार व्यक्त किया। जिस खाली बोरवेल में बच्चा गिरा, उसे मंगलवार को ही खोदा गया था।

राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) के कर्मियों के साथ-साथ अग्निशमन और आपातकालीन सेवा विभाग की 32-सदस्यीय टीम बचाव अभियान में शामिल थी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (हुब्बल्ली) रवि प्रसाद ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि बच्चे को बचाने के लिए समानांतर खाई खोदते समय कठोर सतह होने के कारण टीम को काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा था।

उन्होंने बताया, ''हमारे इंडी दमकल स्टेशन को बुधवार शाम 6.15 बजे एक कॉल मिली। हमारी टीम 'वाटर टेंडर' के साथ तुरंत मौके पर गई। तुरंत हमारी टीम ने बच्चे के पैरों में रस्सी से गांठ लगा दी, ताकि बच्चे को फिसलने से रोका जा सके और इससे हमें काफी फायदा हुआ।'' उन्होंने कहा, मौके पर पहुंची मेडिकल टीम ने बच्चे को समय पर ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित की। अग्निशमन विभाग की एक अन्य टीम ने उस बोरवेल के समानांतर एक खाई खोदना शुरू कर दिया, जिसमें बच्चा गिरा था।

बृहस्पतिवार सुबह तक राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम भी करीब 20 घंटे तक चले बचाव अभियान में शामिल हो गई। जब बचाव अभियान पूरे जोरों पर था, स्थिति का विश्लेषण करने के लिए बोरवेल में एक कैमरा उतारा गया। कैमरे के जरिए उसके पैरों की हरकत पर लगातार नजर रखी जा रही थी।

पुलिस के मुताबिक, बच्चा जब अपने घर के पास खेलने के लिए निकला तो वह खाली बोरवेल में गिर गया। यह मामला तब सामने आया जब किसी ने बच्चे के रोने की आवाज सुनी और तुरंत उसके परिवार को सूचित किया। माना जा रहा है कि लड़का सबसे पहले बोरवेल में सिर के बल गिरा था।

उद्योग मंत्री एमबी पाटिल ने लोगों से खाली बोरवेल की उपेक्षा न करने और भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों, यह सुनिश्चित करने के लिए उचित व्यवस्था करने का आग्रह किया। उन्होंने जिला प्रशासन को जिले में खुले पड़े बोरवेल की पहचान करने के लिए सर्वेक्षण कराने का निर्देश दिया है। कानून में पहले से ही बोरवेल को खुला छोड़ने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का प्रावधान है। उन्होंने कहा, इस कानून का उपयोग करके उन लोगों के खिलाफ कानूनी कदम उठाए जाएंगे जिन्होंने बोरवेल बंद नही किए हैं।

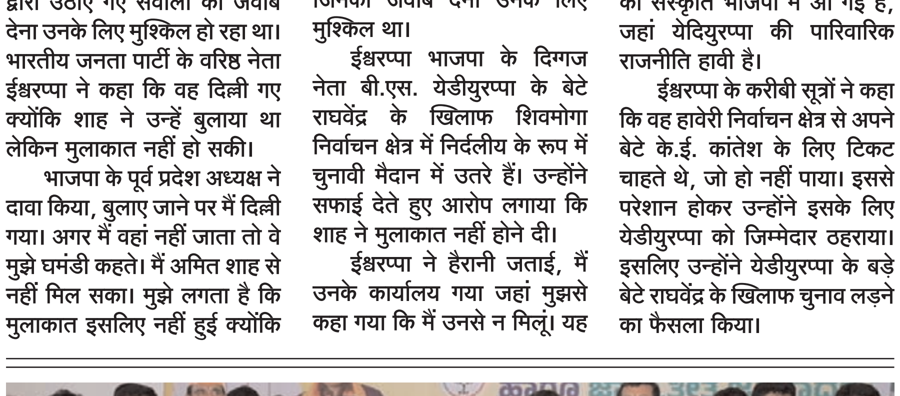

यशवंतपुर चुनाव कार्यालय का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गुरुवार को यहां जेडीएस नेताओं ने यशवंतपुर चुनाव कार्यालय पर ज्योति जलाई और चुनाव प्रक्रिया की शुरुआत की। जेडीएस नेता बेंगलूरु उत्तर लोकसभा क्षेत्र की उम्मीदवार शोभा करंदलाजे के पक्ष में प्रचार करने आए थे। विधान परिषद सदस्य टी. सरवन, रमेश गौड़ा इस बैठक में शामिल हुए। भाजपा नेता एल नरेंद्रबाबू, भाजपा के राज्य सचिव टैम्स गौड़ा, जिला अध्यक्ष हरीश, जिला प्रभारी सच्चिदानंद मूर्ति, राज्य सोशल मीडिया टीम से अक्षय राय दाम्बेकन ने भाग लिया।

इस मौके पर बेंगलूरु उत्तर से भाजपा की प्रत्याशी शोभा करंदलाजे ने कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि बीजेपी और जेडीएस के हजारों कार्यकर्ताओं ने एनडीए उम्मीदवार के लिए काम करने का संकल्प लिया है और आज से काम की शुरुआत कर रहे हैं।

निर्दलीय सांसद सुमलता अंबरीश आज भाजपा में होंगी शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंडया से निर्दलीय सांसद सुमलता अंबरीश ने घोषणा की है कि वह शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होंगी।

अभिनेत्री से नेता बनीं सुमलता ने भाजपा के समर्थन से 2019 का लोकसभा चुनाव जीता था। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री और जनता दल (सेक्युलर) के प्रमुख एच.डी देवेगौड़ा के पोते और एच.डी कुमारस्वामी के बेटे निखिल कुमारस्वामी को हराया था। सुमलता ने बुधवार को कहा था कि वह आगामी लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी और भाजपा में शामिल होंगी।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बृहस्पतिवार को की गई एक पोस्ट में कहा कि वह मांड्या के विकास के लिए और नरेन्द्र मोदी को दोबारा प्रधानमंत्री बनाने के लिए भाजपा का समर्थन करेंगी।

उन्होंने कहा, ''मैं शुक्रवार पांच अप्रैल को सुबह 11.30 बजे बेंगलूरु में भाजपा कार्यालय में पार्टी नेताओं की उपस्थिति में आधिकारिक तौर पर भाजपा की सदस्यता ग्रहण करूंगी।'' जनता दल (एस) पिछले साल सितंबर में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल हुई थी।

कर्नाटक में हुए सीट-बंटवारे के समझौते के तहत, भाजपा राज्य की 28 लोकसभा सीट में से 25 और जद(एस) मंडया सहित शेष तीन सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इस सीट से पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी कुमारस्वामी मैदान में हैं।

मंगलूरु में दो करोड़ कीमत की शराब जब्त

मंगलूरु/दक्षिण भारत। लोकसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से दक्षिण कन्नड़ संसदीय क्षेत्र में अब तक एक करोड़, 95 लाख रुपये मूल्य की 90,443 लीटर शराब एवं 8,69,950 रुपये के मादक द्रव्य बरामद किये गये हैं। निर्वाचन आयोग की विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गयी है।

विज्ञप्ति के मुताबिक, वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से बुधवार तक अधिकारियों ने 90,443 लीटर शराब जब्त की है जिसकी कीमत 1,95,47,179 रुपये है जबकि बुधवार तक इस लोकसभा क्षेत्र में 8,69,950 रुपये कीमत के विभिन्न मादक द्रव्य भी बरामद किये गये हैं। विज्ञप्ति में बताया गया है कि इस दौरान आबकारी विभाग के नियमों के उल्लंघन और अन्य अपराधों सहित कुल 278 प्राथमिकियां दर्ज की गयी हैं।

कर्नाटक उच्च न्यायालय के पांच अतिरिक्त न्यायाधीशों को स्थायी न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाले उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने केंद्र से कर्नाटक उच्च न्यायालय के पांच अतिरिक्त न्यायाधीशों को स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश की है। तीन सदस्यीय कॉलेजियम ने यह भी सिफारिश की है कि न्यायमूर्ति गुरुसिद्दैया बसवराज को 16 अगस्त, 2024 से एक वर्ष के नए कार्यकाल के लिए कर्नाटक उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया जाए। कॉलेजियम में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति बीआर गवई भी शामिल हैं।

शीर्ष अदालत कॉलेजियम के तीन अप्रैल के प्रस्ताव के अनुसार, उच्च न्यायालय कॉलेजियम ने 20 जनवरी को सर्वसम्मति से सिफारिश की थी कि पांच अतिरिक्त न्यायाधीशों को स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया जाए और अतिरिक्त न्यायाधीश बसवराज का कार्यकाल एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए बढ़ाया जाए।

शीर्ष अदालत कॉलेजियम ने अपनी वेबसाइट पर अपलोड किए गए प्रस्ताव में उल्लेख किया, कर्नाटक राज्य के मुख्यमंत्री और राज्यपाल ने उपरोक्त सिफारिश पर अपनी सहमति व्यक्त की है। इसने कहा, मामले के सभी पहलुओं पर विचार करने और उपरोक्त प्रस्ताव पर समग्र विचार करने के बाद, कॉलेजियम का विचार है कि न्यायमूर्ति चेप्पुडिरा मोनप्पा पूनाचा, न्यायमूर्ति अनिल भीमसेन कट्टी, न्यायमूर्ति चंद्रशेखर मृत्युंजय जोशी, न्यायमूर्ति उमेश मंजूनाथभट अडिगा और न्यायमूर्ति तलकाड गिरिगौड़ा शिवशंकर गौड़ा स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किए जाने के लिए उपयुक्त एवं योग्य हैं।

शनिवार (6 अप्रैल) को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अजमेर के पुष्कर मेला ग्राउंड पर आयोजित विशाल जनसभा की तैयारियों का निरीक्षण करते भाजपा नेता।

भाजपा के स्थापना दिवस पर मोदी पुष्कर में करेंगे आमसभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिये छह अप्रैल का दिन अतिमहत्वपूर्ण है, क्योंकि यह पार्टी का स्थापना का दिवस है और हमारा सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसी दिन पुष्कर में चुनावी सभा सम्बोधित करने आयेंगे। रावत ने गुरुवार को यहां प्रधानमंत्री की छह अप्रैल की सभा को सफल बनाने के लिये आयोजित पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करने के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मोदी ब्रह्मा जी की नगरी आ रहे हैं, जो स्वयं ..कमल.. पर विराजित हैं, संयोग से भाजपा का चुनाव चिह्न भी कमल ही है। भाजपा संगठन स्थापना दिवस के दिन मोदी का अजमेर-पुष्कर आना अपने आप में कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार कर रहा है। सभी लोग मोदी को सुनना चाहते हैं। उनकी जनकल्याणकारी नीतियों और एकजुटता से राज्य में 25 के लक्ष्य को हासिल करने के लिये संकल्पबद्ध हैं।

रावत ने बताया कि मोदी की जनसभा को सफल और यादगार बनाने के लिये जिम्मेदारी बांटी गयी है। सभास्थल पुष्कर मेला मैदान पर व्यवस्था कर युद्ध स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का अंतिम कार्यक्रम अभी प्राप्त नहीं हुआ है। इस अवसर पर देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओम प्रकाश भडाना, संगठन सहप्रभारी बीरमदेव सिंह, अजमेर शहर अध्यक्ष रमेश सोनी, देहात अध्यक्ष देवीशंकर भूतड़ा, अजमेर उपमहापौर नीरज जैन उपस्थित रहे। भाजपा सूत्रों के अनुसार मोदी पहले किशनगढ़ हवाईअड्डे पहुंचेंगे। वहां से हेलीकॉप्टर के जरिये पुष्कर मेला मैदान के नजदीक अस्थायी हेलीपेड आकर सभा स्थल पहुंचेंगे।

पहले चरण के मतदान के लिए ईवीएम आवंटित करने संबंधी काम आज

जयपुर। राजस्थान में लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के लिए ईवीएम आवंटित करने संबंधी दूसरे दौर का कार्य शुक्रवार को किया जाएगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार लोकसभा चुनाव 2024 के पहले चरण के लिए एम-3 ईवीएम बीयू, सीयू एवं वीवीपैट आवंटित करने संबंधी दूसरे दौर का कार्य पांच अप्रैल को किया जाएगा, वहीं दूसरे चरण के मतदान के लिए संबंधित कार्य 13 अप्रैल को होगा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने कहा कि एम-3 ईवीएम बीयू, सीयू एवं वीवीपैट आवंटन का दूसरा दौर चुनाव पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में होगा और इस दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ ही चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी भी उपस्थित रहेंगे। मतदान से पहले ईएमएस सॉफ्टवेर का उपयोग कर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वीवीपैट आवंटन कार्य दो दौर में किया जाता है। पहले चरण के मतदान के लिए लोकसभा क्षेत्र आवंटित करने के वास्ते प्रथम दौर का संबंधित कार्य 19 और 20 मार्च को किया गया था। अब मतदान केंद्र आवंटन का कार्य द्वितीय दौर में पांच अप्रैल को किया जाएगा। वहीं, दूसरे चरण के मतदान के लिए ईवीएम आवंटन संबंधी कार्य 13 अप्रैल को किया जाएगा। राजस्थान में लोकसभा चुनाव दो पहले चरण में 19 अप्रैल को 12 निर्वाचन क्षेत्रों-गंगानगर, बीकानेर, चूरू, झुंझुनू, सीकर, जयपुर ग्रामीण, जयपुर, अलवर भरतपुर, करौली-धौलपुर, दौसा और नागौर में मतदान होगा। दूसरे चरण में 26 अप्रैल को 13 सीट पर मतदान होगा जिनमें टोंक-सवाई माधोपुर, अजमेर, पाली, जोधपुर, बाड़मेर, जालौर, उदयपुर, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, भीलवाड़ा, कोटा और झालावाड़-बारां शामिल हैं।

प्रधानमंत्री चीन के भारतीय सीमा में घुसने के समय सो रहे थेः मल्लिकार्जुन खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्तौड़गढ़। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को चीन के भारतीय क्षेत्र में 'घुसने' के समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर नींद की गोली खाकर 'सोने' का आरोप लगाया। इसके साथ ही कांग्रेस नेता ने कहा कि मोदी देश के बारे में नहीं सोचते बल्कि गांधी परिवार को गालियां देते रहते हैं। खरगे ने कहा कि 'मोदी हर किसी को डरा रहे हैं और झूठों के सरदार' हैं। वे चित्तौड़गढ़ में कांग्रेस उम्मीदवार उदयलाल आंजना के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। खरगे ने प्रधानमंत्री पर कटाक्ष करते हुए कहा,मोदी जी कहते हैं 56 इंच की छाती है मेरी ... मैं नहीं डरूंगा। अरे भाई आप नहीं डरते, तो फिर देश के बहुत बड़े भूभाग को चीन के लिए क्यों छोड़ दिया? वो अंदर घुस कर आ रहे हैं ... आप क्या नींद ले रहे हो? क्या नींद की गोली खाये हो? उन्होंने कहा,... तो (मोदी) देश के लिए कभी कुछ सोचते नहीं.. सिर्फ गांधी परिवार को गालियां देना, हमको गालियां देना... यही काम करते हैं। देश के लोगों को सताकर और तबाह करके उनको अपने साथ लेना चाहते हैं। सब जगह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और आयकर को उन्होंने पीछे लगाया हुआ है। मैं यह कहूंगा कि ये हमेशा झूठ बोलते रहते हैं।'

खरगे ने कहा कि लोग न तो मोदी पर, न ही उनकी गारंटी पर भरोसा करें। उन्होंने कहा कि मोदी जी की एक भी गारंटी पूरी नहीं हुई, न दो करोड़ नौकरी आई, न 15 लाख रुपये आये, किसानों की न आमदनी बढ़ी न तो न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ा। उन्होंने कहा कि सब झूठ है, वह एक के ऊपर एक झूठ बोलते हैं। खरगे ने कहा कि अब वह एक नया नाटक लाये हैं- ये मोदी की गारंटी है और मोदी जरूर इस गारंटी को अमल में लाएगा।

उन्होंने कहा,आपने पुराने गारंटी लागू नहीं की अब अब आगे की गारंटी का क्या है? जो आदमी पुरानी गारंटी को अमल में नहीं लाता उसके आगे की बातों पर कैसे भरोसा कर सकते हैं। तो मोदी की गारंटी पर भरोसा मत करो, मोदी जी के ऊपर भी भरोसा मत करो।

उन्होंने कहा,सबको डराते हैं, धमकाते हैं लेकिन कांग्रेस के लोग डरने वाले नहीं है। वो हिम्मत से लड़ने वाले हैं। अगर आप उन्हें डराना धमकाना चाहते हैं, तो मोदी जी ये नहीं होने वाला है। आपसे भी ज्यादा लड़ना हमने सीखा है। आपने सिर्फ बात करनी सीखी है।

हमने त्याग करना भी सीखा है, लड़ना भी सीखा है और लोगों की भलाई करनी भी सीखी है। खरगे ने कहा कि जिस देश में सुई नहीं बनती थी उस देश में जवाहर लाल नेहरू व इंदिरा गांधी ने रॉकेट बनाने का काम किया। अलग-अलग पार्टियों के नेताओं को भाजपा में शामिल करने की घटनाओं पर कटाक्ष करते हुए खरगे ने कहा,भ्रष्टाचारियों को लेकर आप हुकूमत करते और दूसरों को भ्रष्टाचारी बताते हैं? उन्होंने आगे कहा,ये सब झूठे हैं और मोदी जी झूठों के सरदार हैं। परिवारवाद को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधे जाने पर पलटवार करते हुए खरगे ने कहा,हमेशा यही कहते हैं कि परिवारवाद.... परिवारवाद? गांधी परिवार की बात करते हो। मुझे बताओ 1989 से गांधी परिवार का कोई सदस्य इस देश का प्रधानमंत्री बना है? कोई मंत्री बना है?... फिर भी परिवारवाद की बात करते हैं। उस परिवार ने तो देश की एकता के लिए अपनी जान दे दी। उन्होंने कहा कि मणिपुर में दंगे हो रहे, लूट हो रही और घर तबाह हो रहे हैं, लेकिन वे वहां नहीं जा रहे। खरगे ने कहा, वह पूरे देश में चुनाव प्रचार करते फिरते हैं, विदेश में अब तक 14 बार जाकर लौट आए लेकिन एक दिन के लिए भी मणिपुर में नहीं गए। ये देशभक्त हैं, देश की चिंता करने वाले लोग हैं? क्यों नहीं गए भाई?

रैली को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा व कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने भी संबोधित किया। उल्लेखनीय है कि राजस्थान में लोकसभा चुनाव दो चरणों में 19 और 26 अप्रैल को होगा। पहले चरण में 19 अप्रैल को 12 सीट (गंगानगर, बीकानेर, चूरू, झुंझुनू, सीकर, जयपुर ग्रामीण, जयपुर, अलवर भरतपुर, करौली-धौलपुर, दौसा और नागौर) में मतदान होगा। दूसरे चरण में 13 सीट (टोंक-सवाई माधोपुर, अजमेर, पाली, जोधपुर, बाड़मेर, जालौर, उदयपुर, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, भीलवाड़ा, कोटा और झालावाड़-बारां) सीट के लिए 26 अप्रैल को मतदान होगा।

जालोर के लोगों के आशीर्वाद से भारी बहुमत से जीतेंगे वैभव : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जालोर। जालोर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी वैभव गहलोत ने गुरुवार को रिटर्निंग ऑफिसर कलेक्टर पूजा पार्थ के समक्ष नामांकन फार्म दाखिल किया। इस अवसर पर पूंजाजी गेनाजी स्टेडियम ग्राउंड में नामांकन सभा का आयोजन किया गया जिसमें भारी संख्या में आमजन ने शिरकत की। खचाखच भरे स्टेडियम में जनता को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि जिस तरह आपने मुझे प्यार दिया और तीन बार मुख्यमंत्री बनाया। मुझे पूरी उम्मीद है कि वैभव को भी आपका प्यार और समर्थन मिलेगा। उन्होंने कहा कि जालोर क्षेत्र का हर एक जन वैभव गहलोत है। बूटा सिंह के बाद यह नौजवान आपकी सेवा में आया है और आप भरोसा कीजिए कि इसके दरवाजे आपके लिए चौबीसों घंटे खुले रहेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सांसदों के कारण जालोर पिछले 20 साल में पिछड़ा रहा है, लेकिन अब इसे पिछड़ा नहीं रहने देंगे। वे स्वयं, वैभव, सभी विधायक, कांग्रेस पार्टी के सभी कार्यकर्ता जालोर, सिरोही और सांचौर जिलों को विकसित बनाकर ही दम लेंगे।

नामांकन सभा में कांग्रेस प्रत्याशी वैभव गहलोत ने कहा कि 20 साल से भाजपा सांसदों ने जालोर क्षेत्र की अनदेखी की है। यहां की रेलवे कनेक्टिविटी, हवाई अडडा शुरू करने, जालोर को हाइवे से जोड़ने, पेयजल और सिंचाई जल देने, रोजगार देने की आम जनता की मांगों को पूरा करने के लिए कुछ नहीं किया। वैभव ने कहा कि मैं हर सुख-दुख में आपके साथ खड़ा रहूंगा और आपकी इन जरूरतों को पूरा भी कराऊंगा। लेकिन इसके लिए जनता को मारवाड़ के इस बेटे पर विश्वास जताना होगा और अपना आशीर्वाद देना होगा। इस मौके पर वैभव गहलोत की माताजी सुनीता गहलोत, पत्नी हिमांशी गहलोत, बेटी काश्विनी गहलोत सहित परिवारजन भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वह उनके किए कुछ वादे याद दिलाना चाहते हैं और उनसे सवाल पूछते हैं कि अच्छे दिन कब आएंगे, 100 दिनों में कालाधन सामने आना था, उसका क्या हुआ। जूली ने कहा कि भाजपा ने 2 करोड़ लोगों को रोजगार, 15 लाख रुपये टैक्सपेयर्स के खाते में आने की बात कही थी उसका क्या हुआ। उन्होंने कहा कि भाजपा सांसद जालोर की जनता को 20 साल से मूर्ख बनाती आ रही है। यहां चार बार लगातार भाजपा सांसद रहे लेकिन कोई विकास कार्य नहीं कराया।

पेपर लीक के खिलाफ एक्शन में भाजपा की भजनलाल सरकार

इतिहास में पहली ऐसी कार्रवाई, ट्रेनिंग के दौरान 29 सब-इंस्पेक्टर हुए गिरफ्तार : अरूण चतुर्वेदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर आरोप लगाते हुए कहा कि गहलोत सरकार के 2008-13 के कालखंड में विभिन्न घोटाले हुए थे। भाजपा लगातार उस कालखंड में गहलोत सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाती रही थी। जिस प्रकार वर्ष 2012 में तत्कालीन सीएम गहलोत ने चौहान बंधुओं को लाईम स्टोन की खाने अवैधानिक ढंग से आवंटित कर एक हजार करोड़ का घोटाला किया था। उसी तरह इस बार भी उन्होने अपने रिश्तेदारों को बिना नीलामी के कीमती जमीन सस्ती दरों पर दिलाकर उपकृत किया है। जोधपुर विकास प्राधिकरण ने गहलोत के दबाव में 15 करोड़ की जमीन महज 3.67 लाख में उनके रिस्तेदारों को दे दी। इस नियम विरूद्ध बेचान के खिलाफ नगरीय विकास विभाग में जांच विचाराधीन है। पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के समय रीट से लेकर एसआई भर्ती परीक्षा सहित कुल 19 परीक्षाओं के पेपर लीक हुए और लाखों युवाओं के सपनों पर पानी फिर गया। गहलोत सरकार में पेपर लीक की इतनाी घटनाएं होने के बावजूद पेपर माफियाओं के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। प्रदेश में भाजपा की भजनलाल सरकार बनने के बाद लगातार पेपर माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई जारी है, अभी तक 64 लोगों की गिरफ्तारी की गई है और इतिहास में पहली बार ऐसी कार्रवाई हुई है जब ट्रेनिंग करने वाले 29 सब-इंस्पेक्टरों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं भाजपा सरकार आने के बाद 11 भर्ती परीक्षाएं हुई जो कि पूरी तरह पारदर्शी ढंग से हुई। भाजपा सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरों टोलरेंस की नीति पर काम कर रही है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता राखी राठौड़ ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के नेताओं की नारी शक्ति के प्रति किस प्रकार की मानसिकता है, वह लगातार उनके बयानों से नजर आती है। पहले राहुल गांधी ने शक्ति का अपमान किया और अब रणदीप सुरजेवाला ने महिलाओं के खिलाफ आपत्तिजनक बयान दिया है। इससे पहले कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत्र ने भाजपा की लोकसभा प्रत्याशी कंगना राणौत के खिलाफ बेहद घटिया बयान दिया था। जो प्रियंका गांधी कहती थी कि लड़की हूं लड़ सकती हूं उनकी पार्टी के नेताओं के बयान सुनकर तो नहीं लगता कि वो महिलाओं के हितों के लिए लड़ेंगी।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता राखी राठौड़ ने कहा कि दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं जो लगातार महिलाओं के उत्थान को लेकर प्रयासरत हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम बनाकर महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण, शौचालय, उज्वला योजना, लखपति दीदी योजना, ड्रोन दीदी योजना और ''बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं'' जैसी मुहिम चलाई। आज देश में सेक्स रेसो की बात करें तो 1000 पुरूषों पर 1030 महिलाएं हैं जो कि मोदी सरकार की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ मुहिम का ही परिणाम है।

घर से मतदान के लिए 76,636 मतदाताओं ने पंजीकरण करवाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर राजस्थान में 76,636 मतदाताओं ने 'होम वोटिंग' यानी घर से मतदान करने के लिए पंजीकरण करवाया है, जिनमें 58,954 बुजुर्ग शामिल हैं। निर्वाचन आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक, पहले चरण में जिन लोकसभा सीटों पर मतदान होना है, वहां घर से मतदान की प्रक्रिया शुक्रवार से शुरू हो जाएगी।

अधिकारी के अनुसार, राज्य की सभी 25 लोकसभा सीट पर चुनाव के लिए 76,636 पात्र मतदाताओं ने घर से मतदान करने का विकल्प चुना है। इसमें 58,954 बुजुर्ग और 17,682 दिव्यांग मतदाता शामिल हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि घर से मतदान की सुविधा विकल्प के रूप में है। उन्होंने बताया कि लोकसभा चुनाव के लिए घर से मतदान की सुविधा ऐसे मतदाताओं को मिलती है, जो 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों हों या 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता श्रेणी के विशेष योग्यजन हों।

अधिकारी ने बताया कि घर से मतदान के तहत पहले चरण के लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में पांच अप्रैल से मतदान की प्रक्रिया शुरू होगी और 14 अप्रैल तक चलेगी। उन्होंने बताया कि किसी कारण से मतदाता के होम वोटिंग के लिए अनुपस्थित या वंचित रह जाने पर दूसरा चरण 15 से 16 अप्रैल के बीच होगा। घर से मतदान के लिए 12 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव अधिकारी द्वारा 36,558 पात्र मतदाताओं के फॉर्म स्वीकृत किए गए हैं, इनमें 27,524 वरिष्ठ नागरिक और 9,306 दिव्यांग शामिल हैं। गुप्ता ने बताया कि दूसरे चरण में मतदान वाले 13 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में घर से मतदान के लिए पंजीकरण का काम पूरा हो गया है।

मप्र की महिला ने रूस जाकर मेडिकल की पढ़ाई करने के लिए कोटा में अपने अपहरण की झूठी कहानी गढ़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। मध्य प्रदेश की एक महिला ने मेडिकल की पढ़ाई के लिए रूस जाने के वास्ते कथित तौर पर 30 लाख रुपये इकट्ठा करने के लिए कोटा में अपने अपहरण की झूठी कहानी गढ़ी। पुलिस ने बताया कि काव्या धाकड़ ने पुलिस की पूछताछ के दौरान अपने झूठे अपहरण के पीछे की मंशा का खुलासा किया। उसे तथा उसके दोस्त हर्षित को मामले में पूछताछ के लिए बुधवार को इंदौर से यहां लाया गया। पुलिस ने बताया कि मध्य प्रदेश पुलिस ने मंगलवार को पता लगाया कि 15 से अधिक दिनों से लापता दोनों लोगों इंदौर में हैं तथा उसने उन्हें राजस्थान पुलिस को सौंप दिया।

पुलिस के अनुसार, मध्य प्रदेश की शिवपुरी निवासी काव्या ने पुलिस को बताया कि उसने यूट्यूब पर एक वीडियो देखकर अपने अपहरण की साजिश रची। पुलिस ने बताया कि काव्या के पिता रघुवीर धाकड़ ने अपनी बेटी के अपहरण का आरोप लगाते हुए 18 मार्च को यहां विज्ञान नगर पुलिस थाने में एक शिकायत दर्ज करायी जिसके बाद उसकी तलाश शुरू की गयी। कोटा (सिटी) की पुलिस अधीक्षक अमृता दुहन ने बताया कि पूछताछ के दौरान यह पता चला कि काव्या अपनी मां के साथ दो अगस्त 2023 को कोटा आयी थी जो कोचिंग कक्षा में उसका दाखिला कराने और एक हॉस्टल में उसके रहने की व्यवस्था करने के बाद लौट गयीं। दुहन ने बताया कि वह अपने माता-पिता को यह भरोसा दिलाने के लिए उन्हें तस्वीरें और संदेश भेजती रही कि वह कोटा में है। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश के शिवपुरी में रहने वाले उसके माता-पिता हाल में तब हैरान रह गए जब उन्हें 30 लाख रुपये की फिरौती का फोन आया और उनकी बेटी की तस्वीरें मिलीं जिसमें उसके हाथ और पैर बंधे हुए थे। इसके बाद रघुवीर ने पुलिस में शिकायत दर्ज करायी।

झुंझुनू में नगदी-गहने लेकर फरार हुई लुटेरी दुल्हन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झुंझुनू। राजस्थान में झुंझुनू जिले के बुहाना में एक दुल्हन शादी के बाद सुहागरात वाले दिन दूल्हे को चकमा देकर ससुराल से फरार हो गयी और घर में रखे जेवरात और नकदी भी अपने साथ उड़ा ले गयी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि गांव के कुलदीप ने दुल्हन समेत दो अन्य के खिलाफ शादी के नाम धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज करवाया है। रिपोर्ट में बताया कि उसकी हरियाणा के कंवर सैन निवासी कोटडा चेक सतनाली से जान-पहचान थी। उसने उसकी शादी कराने की बात कही। इसके लिये वह उसे पंजाब लेकर गया, जहां कोमल निवासी रुकना मगला फिरोजपुर के साथ शादी की बात की। शादी तय हुई और शादी के नाम पर 2.80 लाख रुपये भी ले लिये। साथ ही दुल्हन के लिये सोने-चांदी के जेवरात बनवाये थे, जो कोमल को दिये थे। रिपोर्ट में कुलदीप ने बताया कि 19 फरवरी को पंजाब के फिरोजपुर कोर्ट में कोमल (29) से अदालत में विवाह किया था। इसके बाद 20 फरवरी को पंजाब से शादी के बाद घर लौटते समय देर रात हो गयी थी। इसके कारण घर आकर सभी सदस्य सो गये। नींद खुली तो दुल्हन कोमल, सोने-चांदी के आभूषण और नकदी गायब थे। पास-पड़ोस में पता करने पर कोई जानकारी नहीं लगी। कई जगह तलाश की, फिर भी पता नहीं चला। इसके बाद 23 फरवरी को पुलिस थाने में रिपोर्ट दी गयी थी, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। फिर एक अप्रैल को बुहाना अदालत से इस्तगासा के जरिये प्राथमिकी दर्ज करवाई है। पीड़ित कुलदीप ने कोमल पुत्री सतपाल निवासी रुकना मगला फिरोजपुर, कंवर सेन एवं नवदीप सिंह निवासी बलबीर बस्ती, फरीदकोट के खिलाफ विवाह के नाम पर दो लाख अस्सी हजार रुपये, सोने-चांदी के आभूषण धोखे से हड़पने का मामला दर्ज कराया है।

राजस्थान के पूर्व विधायक ने आत्महत्या की : पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में कांग्रेस के एक पूर्व विधायक विवेक धाकड़ ने बृहस्पतिवार को सुबह कथित तौर पर अपने हाथ की नसें काटकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। भीलवाड़ा के पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने कहा कि धाकड़ (45) को उनके परिवार के सदस्य अस्पताल ले गए जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

उन्होंने कहा, एफएसएल की टीम उस स्थान की जांच कर रही है जहां उन्होंने अपनी नसें काटी थीं। आत्महत्या के कारण अभी स्पष्ट नहीं हैं और मामले की जांच की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए शवगृह में रखवा दिया गया है। धाकड़ 2018 में भीलवाड़ा की मांडलगढ़ सीट पर उपचुनाव में कांग्रेस विधायक चुने गए थे। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित अनेक नेताओं ने धाकड़ के निधन पर शोक जताया है।

राजस्थान के कई इलाकों में हल्की बारिश

जयपुर। राजस्थान के अनेक इलाकों में बीते चौबीस घंटे में हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार राज्य के कई इलाकों में आज व आने वाले एक दो दिन बादल छाए रहने तथा हल्की बारिश होने की संभावना है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, बीते 24 घंटे में राज्य के हनुमानगढ़, चुरू, झुंझुनू, सीकर व आसपास के क्षेत्र में बादलो की गरज के साथ हल्की बारिश दर्ज की गई है तथा ज्यादातर स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य दर्ज किया गया है।

योगी ने काशी और मथुरा मामलों में हिंदू पक्ष की जीत का भरोसा जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उप्र)/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या के बाद काशी और मथुरा में भी मंदिर–मस्जिद विवाद में हिंदू पक्ष की जीत का विश्वास व्यक्त करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि अयोध्या के लिए 500 साल तक इंतजार करने के बावजूद हम संघर्ष से पीछे नहीं हटे और फैसला आखिरकार हिंदुओं के पक्ष में आया। आदित्यनाथ ने विपक्ष पर तंज करते हुए कहा कि दूसरी पार्टियों को प्रत्याशी ढूंढ़े नहीं मिल रहे हैं, उन्हें उधार में उम्मीदवार लेने पड़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब उधार के भी उम्मीदवार नहीं मिल रहे तो कांग्रेस के नेता अपना आपा खोकर मातृ शक्ति पर अपमानजनक टिप्पणी करके आधी आबादी का अपमान करने पर उतारू हो गए हैं। मुख्यमंत्री ने विजय संकल्प नामांकन सभा को संबोधित करते हुए मथुरा से मौजूदा सांसद और तीसरी बाद भाजपा प्रत्याशी बनायी गईं हेमा मालिनी के पक्ष में प्रचार किया। उन्होंने अयोध्या के बाद काशी और मथुरा में मंदिर–मस्जिद विवाद को लेकर अदालतों में चल रहे मुकदमों का जिक्र करते हुए हिंदू पक्ष की जीत की उम्मीद जतायी और कहा, कई जगह न्यायालयों में मामला होने के कारण हमें रुकना पड़ता है। मगर हम यही मानकर चलते हैं कि अंततः हमारी जीत होनी है। आदित्यनाथ ने कहा, हमने अयोध्या के लिए 500 साल तक इंतजार किया मगर संघर्ष से कभी पीछे नहीं हटे और अंततः परिणाम हमारे पक्ष में आया।

आतंकवाद से प्रभावी ढंग से निपटने में कांग्रेस विफल रही : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भारत का नाम खराब किया

पटना/जमुई/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछली कांग्रेस सरकारों पर पाकिस्तान आधारित सीमा पार आतंकवाद से प्रभावी ढंग से निपटने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि इससे यह धारणा बनी कि भारत एक 'कमजोर और गरीब' देश है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के राज में भारत को कमजोर और गरीब देश माना जाता था तथा आज आटे के लिए तरस रहे छोटे–छोटे देशों के आतंकी भी देश पर हमला करके चले जाते थे।

बिहार के जमुई में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जो लोग भ्रष्टाचार के मामलों में एक–दूसरे के लिए जेल की सजा की मांग करते थे, वे 'मोदी के खिलाफ लड़ने के नाम पर' एक साथ आ गए हैं। उन्होंने कहा, आज एक ओर कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) जैसी पार्टियां हैं जिन्होंने अपनी सरकार के समय पूरी दुनिया में देश का नाम खराब किया था, तो दूसरी ओर भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) है जिसका लक्ष्य विकसित भारत और कुशल बिहार का निर्माण करना है।

मोदी ने लोगों से कहा, आप याद करिए 10 साल पहले भारत को लेकर क्या राय होती थी। कांग्रेस के राज में भारत को कमजोर और गरीब देश माना जाता था। आज आटे के लिए तरस रहे छोटे–छोटे देशों के आतंकी हम पर हमला करके चले जाते थे और कांग्रेस दूसरे देशों के पास शिकायत लेकर जाने के अलावा और कुछ नहीं करती थी। मोदी ने कहा कि ऐसा नहीं चलेगा क्योंकि भारत वही महान पाटलिपुत्र और मगध वाला देश है। उन्होंने कहा कि भारत वही चंद्रगुप्त मौर्य वाला 'भारत' है जो आज घर में घुसकर मारता है, आज का भारत दुनिया को दिशा दिखाता है। उन्होंने कहा कि अब दुनिया देख रही है कि केवल 10 वर्षों में भारत की साख और हैसियत किस तरह बढी है। मोदी ने कहा कि भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और चंद्रमा के जिस कोने पर कोई नहीं पहुंचा था वहां चंद्रयान और तिरंगा पहुंचा है। उन्होंने कहा कि भारत जी20 की अध्यक्षता करता है तो उसकी भी चर्चा पूरे विश्व में होती है।

प्रधानमंत्री ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' पर कटाक्ष किया और इसके घटक दलों कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का परोक्ष संदर्भ देते हुए कहा कि जो लोग एक–दूसरे पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते थे, एक–दूसरे के लिए जेल की सजा की मांग करते थे, वे मोदी से लड़ने के नाम पर एक साथ आ गए हैं। उन्होंने पूछा, क्या भ्रष्टाचारियों को जेल में नहीं होना चाहिए। मैं कहता हूं भ्रष्टाचारियों को हटाओ, वे कहते हैं मोदी को हराओ।

प्रधानमंत्री ने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का विरोध करने और धर्मस्थल का अपमान जारी रखने के लिए कांग्रेस–राजद गठबंधन की भी आलोचना की। उन्होंने विपक्षी गठबंधन पर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के दिग्गज नेता कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने, राष्ट्रपति पद के लिए 'दलित' रामनाथ कोविंद और 'आदिवासी महिला' द्रौपदी मुर्मू के चुनाव का 'विरोध' करने का आरोप लगाया।

आरक्षित जमुई निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व दो बार चिराग पासवान ने किया है। चिराग के दिवंगत पिता राम विलास पासवान का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा, मुझे अपने मित्र राम विलास पासवान की उपस्थिति की याद आती है जो पिछले चुनाव में हमारे साथ यहां थे।

कांग्रेस नेतृत्व में जबरदस्त अहंकार, नेहरूवादी धर्मनिरपेक्षता समाप्त हो चुकी है : संजय निरुपम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। कांग्रेस से निष्कासित किए जाने के एक दिन बाद पूर्व सांसद संजय निरुपम ने बृहस्पतिवार को पार्टी नेतृत्व में जबरदस्त अहंकार होने का दावा करते हुए कहा कि कांग्रेस अब इतिहास बन चुकी है और उसका कोई भविष्य नहीं है। मुंबई में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए निरुपम ने यह भी कहा कि महा विकास आघाडी (एमवीए) तीन 'बीमार इकाईयों' का एक विलय है। निरुपम ने कहा कि कांग्रेस में पांच 'पॉवर सेंटर' हैं... गांधी परिवार के तीन सदस्य, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और के सी वेणुगोपाल (पार्टी महासचिव)। उन्होंने दावा किया, वह नेहरूवादी धर्मनिरपेक्षता समाप्त हो चुकी है, जिनके समाज में धर्म की कोई जगह नहीं थी। विपक्षी एमवीए में कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी–शरद चंद्र पवार (राकांपा–एसपी) शामिल है। अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी बयानों पर संज्ञान लेते हुए खरगे ने बुधवार देर रात को निरुपम के निष्कासन को तत्काल प्रभाव से मंजूरी दे दी थी। उनको छह वर्षों के लिए पार्टी से निष्कासित किया गया है।

सरकार निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए हरसंभव कदम उठा रही है : आरके सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री आर के सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि पारा चढ़ने के साथ बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए बिजलीघरों को पूरी क्षमता के साथ काम करने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव कदम उठाए जा रहे हैं।

मौसम विभाग के लंबे समय तक भीषण गर्मी पड़ने का अनुमान के साथ सरकार ने रखरखाव या अन्य कारणों से बंद सभी बिजलीघरों से जल्द–से–जल्द परिचालन शुरू करने को कहा है। साथ ही विशिष्ट उपयोगकर्ताओं के लिए काम कर रहे बिजलीघरों पर उपलब्ध अतिरिक्त बिजली का उपयोग करने को कहा है। सरकार यह भी सुनिश्चित कर रही है कि तापीय बिजलीघर के पास जून तक के लिए पर्याप्त कोयला भंडार हो। साथ ही सभी इकाइयों से बिजली बाजारों में अपनी बिना अनुबंध वाली या अधिशेष बिजली की पेशकश करने को कहा है। केंद्रीय बिजली, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री सिंह ने पीटीआई–भाषा से खास बातचीत में गर्मियों में अधिकतम मांग को बिना किसी बाधा के पूरा करने का भरोसा जताया।

उन्होंने कहा, हम अपनी पूरी क्षमता जुटा रहे हैं। चाहे वह तापीय हो या फिर पनबिजली अथवा नवीकरणीय ऊर्जा या फिर गैस आधारित संयंत्र। इसलिए मुझे लगता है कि हम मांग को पूरा करेंगे।

बिजली मंत्रालय ने इस गर्मी (अप्रैल–जून) में 260 गीगावाट (एक गीगावाट बराबर 1,000 मेगावाट) की अधिकतम बिजली मांग का अनुमान लगाया है, जो पिछले साल सितंबर के रिकॉर्ड 243 गीगावाट से अधिक है।

मंत्रालय ने पिछले साल बिजली की अधिकतम मांग 229 गीगावाट होने का अनुमान लगाया था, लेकिन बेमौसम बारिश के कारण सितंबर, 2023 में अबतक की अधिकतम मांग 243 गीगावाट रही थी।

इस वर्ष भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने देश में अप्रैल–जून की अवधि के दौरान अत्यधिक गर्मी पड़ने का अनुमान जताया है। इसका सबसे बुरा प्रभाव मध्य और पश्चिमी प्रायद्वीपीय भागों पर पड़ने की आशंका है।

पप्पू यादव ने पूर्णिया सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन किया

पटना/भाषा। कांग्रेस के टिकट देने से इनकार करने पर पूर्व सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने बृहस्पतिवार को बिहार की पूर्णिया लोकसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। वह हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुए थे। असंतुष्ट कांग्रेस नेता मोटरसाइकिल पर सवार होकर अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए निर्वायन अधिकारी (आरओ) के कार्यालय में पहुंचे। यादव जब आरओ कार्यालय पहुंचे तो वहां कोई भी कांग्रेस नेता मौजूद नहीं था। अपना नामांकन दाखिल करने से कुछ क्षण पहले उन्होंने घोषणा की, मैं अपनी आखिरी सांस तक कांग्रेस के साथ रहूंगा। नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए यादव ने कहा, मुझे कांग्रेस का समर्थन प्राप्त है। मैं एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहा हूं... कई लोगों ने मेरी राजनीतिक हत्या करने की साजिश रची।

प्रधानमंत्री ने देश में 'टकराव वाले संघवाद' पर अमल किया : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्र का यह दावा ''सरासर झूठ'' है कि कर्नाटक को सूखा राहत के लिए धन जारी करने में विलंब इसलिए हुआ कि राज्य सरकार ने प्रस्ताव तीन महीने देर से जमा किया था। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'टकराव वाले संघवाद' अमल किया। रमेश ने कहा कि यह मुद्दा पहली बार उठाए जाने के आठ महीने बाद मोदी सरकार अब अपनी निष्क्रियता का बचाव करने के लिए कहानियां गढ़ रही है।

कांग्रेस नेता ने 'एक्स' पर पोस्ट कर आरोप लगाया, प्रधानमंत्री ने मई 2014 में (प्रधानमंत्री के रूप में) अपनी पारी की शुरुआत 'सहकारी संघवाद' के बारे में बड़ी बात करके की थी। इसके बजाय, उन्होंने जो किया वह टकराव वाला संघवाद है। उन्होंने दावा किया कि सहकारी संघवाद आम सहमति पर आधारित है, जिसके लिए प्रधानमंत्री ने एक अनिच्छा और अक्षमता प्रदर्शित की है। कांग्रेस महासचिव ने कहा, इसके विपरीत, टकराव वाला संघवाद संघर्ष और विभाजन पैदा करने पर आधारित है, जो प्रधानमंत्री और उनके गृह मंत्री का मूल कौशल है।

सांप पर भरोसा किया जा सकता है, लेकिन भाजपा पर नहीं : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कूचबिहार (पश्चिम बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर लोकसभा चुनाव के लिए लागू आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का पालन नहीं करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जहरीले सांप पर भरोसा किया जा सकता है, लेकिन भाजपा पर नहीं।

कूचबिहार में एक रैली को संबोधित करते हुए, बनर्जी ने आरोप लगाया कि केंद्रीय जांच एजेंसियां, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) भाजपा के इशारे पर काम कर रहे हैं। उन्होंने निर्वाचन आयोग से इस पर गौर करने और सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा, आप एक जहरीले सांप पर भरोसा कर सकते हैं, आप इसे पाल भी सकते हैं, लेकिन आप भाजपा पर कभी भरोसा नहीं कर सकते... भाजपा देश को बर्बाद कर रही है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी टीएमसी ''केंद्रीय एजेंसियों की धमकी के आगे नहीं झुकेगी। बनर्जी ने कूचबिहार में महिलाओं से आग्रह किया कि अगर 19 अप्रैल को होने वाले चुनाव से पहले ''बीएसएफ द्वारा स्थानीय लोगों पर अत्याचार करने की घटनाएं होती हैं'' तो वे पुलिस में शिकायत दर्ज कराएं।

'निर्वाचन क्षेत्रों का दौरा कर समस्याओं का समाधान करें 'आप' विधायक'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता ने बृहस्पतिवार को कहा कि मुख्यमंत्री ने तिहाड़ जेल से एक संदेश भेजकर आम आदमी पार्टी (आप) के सभी विधायकों को अपने निर्वाचन क्षेत्रों में प्रतिदिन जाने और यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि लोगों को किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े। सुनीता ने 'डिजिटल ब्रीफिंग' में कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने संदेश में कहा कि भले ही वह जेल में हैं, लेकिन दिल्ली के दो करोड़ लोग उनका परिवार हैं और उन्हें कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। सुनीता ने दिल्ली के मुख्यमंत्री का संदेश पढ़ते हुए कहा, हमें सरकारी कामकाज के अलावा उनकी समस्याओं का भी समाधान करना होगा।

अब समाप्त कर दी गई दिल्ली की आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार किए गए मुख्यमंत्री 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में हैं।

केजरीवाल ने अपने संदेश में कहा, मेरे जेल में होने से दिल्ली के लोगों को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। दिल्ली के दो करोड़ लोग मेरा परिवार हैं, मेरे परिवार में किसी को भी किसी भी कारण से दुखी नहीं होना चाहिए। ईश्वर सब पर कृपा करें। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि जेल में रहने के बावजूद मुख्यमंत्री को खुद

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ बंगाल के शिक्षा मंत्री मेरे रिश्ते खराब कर रहे हैं : राज्यपाल बोस

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में सरकार द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों में संचालन संबंधी असमंजस पर चर्चा के बीच शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु द्वारा राज्यपाल को 'उन्मादी' करार देने के बाद सी वी आनंद बोस ने बृहस्पतिवार को कहा कि ऐसी टिप्पणियां तब आयी हैं जब उन्होंने पहले ही मंत्री द्वारा प्रस्तावित अंतरिम कुलपतियों के नामों को स्वीकृति दे दी है।

राज्यपाल सी वी आनंद बोस ने कहा कि बसु के आरोप उनकी संवैधानिक सहकर्मी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ उनके संबंध खराब करने की कोशिश है। राजभवन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मंत्री श्री ब्रत्य बसु ने राज्यपाल को 'उन्मादी' और अल्जाइमर से पीड़ित बताया है। यह ऐसे समय में कहा गया है जब राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों के अंतरिम कुलपतियों के तौर पर नियुक्ति के लिए मंत्री द्वारा सुझाए सभी चार नाम स्वीकार कर लिए हैं। पोस्ट में कहा गया है, राज्यपाल का मानना है कि मंत्री उनके और माननीय मुख्यमंत्री के बीच के रिश्ते खराब कर रहे हैं। राज्यपाल, मुख्यमंत्री का बहुत सम्मान करते हैं। राज्यपाल के कार्यालय ने उच्चतम न्यायालय के फैसलों के विपरीत राज्य के शिक्षा विभाग के ''गैरकानूनी'' आदेश का हवाला देकर विश्वविद्यालय की गतिविधियों को ''बाधित'' करने वाले कुलपतियों को भी 'सख्त' चेतावनी जारी की।

वक्फ अधिकरण के दायरे से परे है शाही ईदगाह विवाद : हिंदू पक्ष

प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मथुरा में शाही ईदगाह मस्जिद को हटाने की मांग वाले वाद की पोषणीयता को चुनौती देने के संबंध में दायर याचिका पर सुनवाई बृहस्पतिवार को 18 अप्रैल तक के लिए टाल दी। मूल वाद में दावा किया गया है कि शाही ईदगाह मस्जिद, कटरा केशव देव मंदिर की 13.37 एकड़ भूमि पर बनाई गई है। हिंदू पक्ष की ओर से अधिवक्ता अजय कुमार सिंह ने बृहस्पतिवार को सुनवाई के दौरान कहा कि मौजूदा विवाद, वक्फ अधिकरण के दायरे से परे है और इस पर निर्णय करना केवल दीवानी अदालत के न्यायिक क्षेत्र में है। उन्होंने वर्ष 1999 में उच्चतम न्यायालय के निर्णय को आधार बनाते हुए कहा कि उच्चतम न्यायालय के निर्णय के मुताबिक, धार्मिक विवादों का निर्णय सिविल अदालत द्वारा किया जाएगा। हिंदू पक्ष की ओर से यह दलील भी दी गई कि इस वाद की धार्मिक प्रकृति महत्वपूर्ण है जिसे बदला नहीं जा सकता। इसमें कहा गया कि वाद की पोषणीयता को लेकर आपत्ति कुछ और नहीं, बल्कि मुकदमे को लंबा खींचने के लिए है।

पंत पर धीमी ओवरगति के लिए 24 लाख रूपये जुर्माना

विशाखापत्तनम/भाषा। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत पर इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में दूसरी बार धीमी ओवरगति रहने के कारण 24 लाख रूपये जुर्माना लगाया गया है। पंत की कप्तानी वाली दिल्ली कैपिटल्स की ओवरगति बुधवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच में धीमी रही थी। बाकी खिलाड़ियों पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। आईपीएल ने एक बयान में कहा, दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत पर कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ आईपीएल मैच में धीमी ओवरगति के लिए जुर्माना लगाया गया है। इसमें कहा गया, यह इस सत्र में आईपीएल की आचार संहिता के तहत टीम का दूसरा अपराध था लिहाजा पंत पर 24 लाख रूपये जुर्माना लगाया गया। इंपैक्ट खिलाड़ी समेत बाकी खिलाड़ियों पर मैच फीस का 25 प्रतिशत या छह लाख रूपये में से जो कम हो, जुर्माना लगाया गया है।

अपनी पार्टी में व्याप्त परिवारवाद का भी जिक्र करें प्रधानमंत्री : तेजस्वी यादव

पटना/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार में, जमुई संसदीय क्षेत्र में एक रैली के साथ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के लोकसभा चुनाव अभियान की शुरुआत किए जाने से पहले बृहस्पतिवार की सुबह, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने राजग में राजनीतिक घरानों से शामिल राजनेताओं की एक सूची जारी करते हुए उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री इस परिवारवाद का भी जिक्र करेंगे''।

तेजस्वी यादव ने 'एक्स' पर लिखा, प्रधानमंत्री मोदी जी आज बिहार में प्रथम चरण के चुनाव वाली चार सीटों के लिए प्रचार करने आएंगे। चारों सीटों पर विशुद्ध सौ प्रतिशत परिवारवादी उम्मीदवार हैं। इनमें से दो कथित क्षेत्रीय परिवारवादी पार्टियों के तथा दो उम्मीदवार देश की सबसे बड़ी परिवारवादी एवं वंशवादी नेताओं से भरी पड़ी भाजपा पार्टी के है। यादव लिखा है, जमुई से अरुण भारती पूर्व विधान पार्षद ज्योति पासवान के सुपुत्र एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री दिवंगत रामविलास पासवान के दामाद एवं लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के सांसद व वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष के जीजा जी हैं। औरंगाबाद से सांसद (भाजपा उम्मीदवार) सुशील कुमार सिंह पूर्व सांसद राम नरेश सिंह के बेटे हैं। उन्होंने कहा ''गया से उम्मीदवार पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम माँझी हैं। वह बिहार के मंत्री व एमएलसी संतोष सुमन के पिता तथा हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष की विधायक सास ज्योति देवी के समधी है। नवादा से विवेक ठाकुर भाजपा उम्मीदवार हैं। वह पूर्व केंद्रीय मंत्री व पूर्व सांसद सीपी ठाकुर के बेटे हैं। अभी तक घोषित उम्मीदवारों में कुछ अन्य भी विशुद्ध परिवारवादी उम्मीदवार है। आशा है प्रधानमंत्री इस परिवारवाद के बारे में भी जिक्र करेंगे। यादव ने राजग के जिन अन्य उम्मीदवारों का जिक्र अपने अपने पोस्ट में किया है उनमें पटना साहिब से रविशंकर प्रसाद (पूर्व मंत्री व विधायक ठाकुर प्रसाद के बेटे), सासाराम से शिवेश राम (पूर्व केंद्रीय मंत्री व पूर्व सांसद मुन्नी लाल के बेटे), हाजीपुर से चिराग पासवान (पूर्व केंद्रीय मंत्री व पूर्व सांसद दिवंगत रामविलास पासवान जी के बेटे), समस्तीपुर से शांभवी चौधरी (बिहार के मंत्री व विधान पार्षद अशोक चौधरी की बेटी और पूर्व मंत्री व विधायक दिवंगत महावीर चौधरी की पौत्री), शिवहर से लवली आनंद (पूर्व सांसद आनंद मोहन की पत्नी तथा वर्तमान विधायक चेतन आनंद की माता), वाल्मीकिनगर से सुनील कुमार (पूर्व मंत्री व पूर्व सांसद वैद्यनाथ महतो के बेटे), पश्चिम चंपारण से संजय जायसवाल (पूर्व सांसद मदन जायसवाल के बेटे), मधुबनी से अशोक यादव (पूर्व मंत्री व पूर्व सांसद हुकुमदेव यादव के बेटे), वैशाली से वीणा देवी (जदयू एमएससी दिनेश सिंह की पत्नी) और सीवान से विजय लक्ष्मी (पूर्व विधायक रमेश कुशवाहा की पत्नी) के नाम शामिल हैं।

लोकसभा चुनाव : बंगाल में जूट क्षेत्र का संकट तृणमूल को दिला सकता है बढ़त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में जूट उद्योग क्षेत्र से जुड़े मुद्दे आगामी लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाषा) के प्रदर्शन को प्रभावित कर सकते हैं। जूट उद्योग से जुड़े हितधारकों ने यह जानकारी दी। जूट बैग के वार्षिक उत्पादन अनुमानों की तुलना में सरकार की कम मांग के परिणामस्वरूप जूट की मिलों के संचालन में अल्पकालिक अस्थिरता हो गई है और श्रम बल में कटौती से राज्य के जूट क्षेत्र में भाजपा के प्रदर्शन पर असर पड़ सकता है।

जूट उद्योग से जुड़े हितधारकों के मुताबिक कच्चे माल के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि और केंद्र द्वारा जूट बैग में 100% खाद्यान्न पैकेजिंग के मानदंड में कोई कमी नहीं किए जाने के बावजूद, चुनाव से पहले अस्थायी ऑर्डर संकट तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को चुनावी लड़ाई में बढ़त दिला सकता है। चूंकि, राज्य में सत्तारूढ़ दल जनवरी में जूट मिलों द्वारा वेतन में किए गए संशोधन को मजदूरों के बीच समर्थन जुटाने के लिए चुनावी मुद्दा बना रहा है। बंगाल की जूट मिलों में करीब 2.50 लाख कर्मचारी काम करते हैं जबकि राज्य में 40 लाख किसान राज्य में कच्चे माल के उत्पादन में जुटे हुए हैं। राजनीतिक दल हुगली, उत्तर 24 परगना और हावड़ा जिलों के कई लोकसभा क्षेत्रों के कुछ हिस्सों वाले जूट क्षेत्र में अपना जनसमर्थन सुरक्षित करने के लिए जूट उद्योग से जुड़े लोगों से संपर्क कर रहे हैं। भारतीय जूट मिल्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राघव गुप्ता ने कहा, मिलों ने पहले ही उत्पादन में 10–15% की कटौती शुरू कर दी है और इसके 20–25 प्रतिशत तक और कम होने की आशंका है। कुछ इकाइयां वास्तविक मांग के साथ उत्पादन का मिलान करने के लिए सप्ताह में चार से पांच दिन काम कर रही हैं।

सुविचार

कुछ पाना, कुछ खोना दस्तूर है जिन्दगी का, यही एक किस्सा मशहूर है जिन्दगी का, बीते हुए पल लौट कर नहीं आते, यही सबसे बड़ा कसूर है जिन्दगी का।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

डिजिटल डिटॉक्स

अमेरिका में जैन समुदाय द्वारा चलाया जा रहा 'डिजिटल डिटॉक्स आंदोलन' प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय है। आज ऐसे आंदोलन की बहुत ज़रूरत है। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह हमारा स्क्रीन टाइम बढ़ा है, उससे कई कामों में तेजी तो आई है, लेकिन यहां भी अनुशासन और संयम होना चाहिए। भारत की आध्यात्मिक परंपराओं में उपवास पर बहुत जोर दिया गया है, ताकि तन, मन और जीवन में संतुलन बना रहे, किसी भी तत्त्व की 'अति' से बचा जाए। 'डिजिटल डिटॉक्स आंदोलन' भी एक प्रकार का उपवास है। इससे लोगों के पास यह जानने का अवसर होगा कि मोबाइल फोन और लैपटॉप की स्क्रीन से बाहर भी बहुत कुछ है और सही मायनों में तो दुनिया वही है। आज कई परिवारों में तो यह स्थिति है कि लोगों के पास एक-दूसरे से बात करने के लिए समय नहीं होता। माता-पिता से लेकर छोटे बच्चों तक के पास 'अपने' मोबाइल फोन और लैपटॉप हैं। उन्हें यह तो मालूम होता है कि दुनिया में कहां क्या हो रहा है, कौनसा वीडियो वायरल हो रहा है, लेकिन एक-दूसरे के हालचाल जाने, हंसी-खुशी के माहौल में बात किए बिना हफ्तों बीत जाते हैं! तकनीक का उपयोग जरूरी है, लेकिन वह हमारे रिश्तों, भावनाओं और संवेदनाओं पर हावी नहीं होनी चाहिए। सोशल मीडिया पर प्राय: ऐसे वीडियो देखने को मिलते हैं, जब किसी व्यक्ति के साथ हादसा हो जाता है, तो वहां मौजूद लोग उसकी मदद करने के बजाय वीडियो बनाने लगते हैं! श्रीराम, कृष्ण, बुद्ध, महावीर, नानक, विवेकानंद ... के देश में यह क्या हो रहा है?

इस देवभूमि पर प्रकट हुए अवतारों, ऋषियों, संतों, मनीषियों ने तो चींटी तक के अधिकार बताए हैं, उसके जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विधान बनाए हैं। दान-पुण्य से ऐसे उपायों को जोड़ा है, जो मनुष्य को प्रकृति के निकट लेकर जाएं, उसमें दूसरों के लिए करुणा पैदा करें। जबकि आज कई लोगों पर 'डिजिटल का मोह' इस कदर हावी हो गया है कि कुछ लाइक्स और शेयर पाने के फेर में उनके पास 'अपनों' के दु:ख-दर्द जानने का समय नहीं होता। पिछले दिनों एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें एक मकान जलता हुआ नजर आ रहा था। वहां कुछ लोग आग बुझाने में मदद करने के बजाय वीडियो बनाने में व्यस्त थे। पहले ग्रामीण क्षेत्रों में अगर किसी के यहां ऐसा हादसा होता तो पूरा गांव आग बुझाने के लिए उमड़ पड़ता था। ऐसे वीडियो देखकर लगता है कि हमने कहीं-न-कहीं कुछ खोया है। हमें आत्मबोध की आवश्यकता है। 'डिजिटल डिटॉक्स' जैसे आंदोलन इसमें मददगार साबित होंगे। ऐसे आंदोलनों का और विस्तार किया जा सकता है। हम हफ्ते / महीने में कोई एक दिन ऐसा निर्धारित कर सकते हैं, जब कार जैसे वाहनों के उपयोग से दूर रहें। शास्त्रों में वाणी के संयम और मौन का बहुत महत्त्व बताया गया है। प्राय: कुछ घरों में छोटी-छोटी बातें बड़े झगड़ों में तब्दील हो जाती हैं। क्या हम हर महीने कोई एक दिन या उसके कुछ घंटों तक वाणी के ऐसे संयम का अभ्यास कर सकते हैं? आज जापान में मिनिमलिज्म बहुत लोकप्रिय हो रहा है। यूरोप में भी बहुत लोग इसका पालन कर रहे हैं। जबकि यह तो हजारों वर्षों से हमारे ऋषियों-मुनियों के जीवन का एक हिस्सा रहा है। कम-से-कम वस्तुओं का उपयोग करते हुए जीना और जो वस्तु आवश्यकता से ज्यादा हो, उसे जरूरतमंद को देना ... यह भारतीय संस्कृति है। क्या हम हफ्ते / महीने में किसी एक दिन इसका अभ्यास कर सकते हैं, जब वस्तुओं / संसाधनों का न्यूनतम उपभोग करें? अगर धरती को प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन जैसे संकटों से बचाना है, तो उपवास, त्याग, संयम और साधना का मार्ग अपनाना होगा।

ट्वीटर टॉक

आप जिन्हें चयन कर रहे हैं उनमें एक तरफ भाजपा है जो उत्तराखंड के दर्द को समझती हैं व उत्तराखंड को आगे बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी, जबकि दूसरी तरफ कांग्रेस हैं जिन्होंने उत्तराखंड के साथ सिर्फ धोखा किया।

-जेपी नड्डा

कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला द्वारा बीजेपी की वरिष्ठ नेत्री हेमा मालिनी जी पर की गई बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी की मैं कड़ी निंदा करती हूँ। महिलाओं के प्रति बार-बार अभद्र टिप्पणी करना कांग्रेस पार्टी की स्त्रीद्वेषपूर्ण मानसिकता को दर्शाता है जो बेहद शर्मनाक है।

-दीया कुमारी

लूणी विधानसभा के हिंगोला राबड़िया भाटेलाई व चिंचड़ली ग्राम पंचायत की चुनावी बैठकों में जनता-जनार्दन का अद्भुत उत्साह दिखाई दिया। विशेषकर बड़ी संख्या में मौजूद माताओं- बहनों ने मोदी सरकार के पक्ष में ज़ोरदार समर्थन व्यक्त किया।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

अनमोल कला

एक अमेरिकी करोड़पति ने पिकासो को अपनी तस्वीर बनाने को दी। वह करोड़पति इस बीच बार-बार पूछता रहा कि तस्वीर बनी कि नहीं। पिकासो खबर भिजवाता कि थोड़ा धैर्य रखिये। दो वर्ष के बाद पिकासो ने खबर भिजवाई कि अपना चित्र ले जाएं। करोड़पति ने पूछा, 'इसका दाम?' पिकासो ने कहा, पांच हज़ार डॉलर! करोड़पति चौंक उठा बोला, 'क्या? पांच हज़ार! थोड़ा-सा कैनवास और थोड़े से रंग और इसके दाम पांच हज़ार डॉलर? पांच-दस डॉलर में ये सारे सामान बाजार में मिल जायेंगे!' पिकासो ने अपने सहयोगी को कहा कि जाओ भीतर इससे बड़ा कैनवास और रंगों की ट्यूब लेकर आओ और इन्हें दे दें। ये जितना भी दाम देते हों, ले ले। उसने ऐसा ही किया सारा सामान उस करोड़पति के सामने रख दिया और कहा ये रहा आपका पोर्ट्रेट अब आपकी जो मर्जी दस-पांच डॉलर दे जाएं और यह सब लेते जाएं। करोड़पति घबरा कर बोला, ये सब ले जाकर मैं क्या करूंगा?' तब पिकासो ने कहा, 'तस्वीर रंगों और कैनवास का जोड़ नहीं है उससे कहीं ज्यादा है। इनके द्वारा तो हम उसे उतारते हैं जो कैनवास और रंग नहीं है।

सामयिक

अंसारी की मौत पर बेवजह प्रलाप क्यों?

सुरेश हिंदुस्तानी

भारत के कुख्यात अपराधी मुख़्तार अंसारी की मौत के मामले को राजनीतिक रंग देने का प्रयास किया जा रहा है। इस प्रकार मौत के बहाने एक बार फिर से तुष्टिकरण की राजनीति की जा रही है। आतंकियों और अपराधियों को संप्रदाय से अलग देखने की क़वायद करने वाले कुछ राजनीतिक दल इस मौत को भी सांप्रदायिक चश्मे से देख रहे हैं। जबकि यह सत्य है कि किसी भी अपराधी को सजा उसके स्वयं के कर्म ही देते हैं। लेकिन राजनीतिक दलों को इसमें भी वोट की राजनीति करने का बहाना मिल जाता है। आज उत्तरप्रदेश अपराध मुक्त राजनीति की ओर कदम बढ़ा रहा है, जिसके कारण अपराध करने वाला अपने कर्म को करने से पहले उसकी होने वाली परिणति को भांप लेता है और संभल जाता है, लेकिन उत्तरप्रदेश के विपक्षी दलों की दिशाहीन राजनीति फिर से उसी मार्ग पर जाने का रास्ता बनाने वाली दिख रही है, जिस मार्ग पर चलकर उत्तरप्रदेश बहुत पीछे हो गया था। आज राजनीति को अपराध से मुक्त करने की आवश्यकता है। ऐसी ही नीति बनाकर राजनीतिक दलों को अपने कदम बढ़ाने चाहिए। लेकिन हम यह भी भली भांति जानते हैं कि इस प्रकार की राजनीति के माध्यम से देश में जिस प्रकार का खेल खेला गया, उससे न तो देश का भला हुआ और न ही उस समाज का ही भला हुआ। आज इस बात से कोई भी व्यक्ति इंकार नहीं कर सकता कि बाहुबल का पर्याय बन चुकी उत्तर प्रदेश की राजनीति में अब पहले जैसी धमक नहीं है। सरकारों को अपने संकेतों पर चलाने वाले उत्तर प्रदेश में माफिया राज का अंत हो चुका है।

उल्लेखनीय है कि लम्बे समय से उत्तरप्रदेश में माफिया राज हावी था, यह माफिया हो चाहता था, राजनीतिक संरक्षण में उसको अंजाम भी देता रहा है। जिसके कारण तमाम अपराधी रंगदारी, हत्या, हत्या के प्रयास और ज़मीन पर कब्ज़ा करने के लिए अपनी दबंगई दिखाते थे, अब वैसी दबंगई नहीं दिखती तो इसके पीछे शासन और प्रशासन की सकारात्मक सक्रियता ही है। उत्तरप्रदेश में बाहुबली नेता के तौर पर स्थापित होकर राजनीति करने वाले मुख़्तार अंसारी की मौत पर जमकर राजनीतिक बयानबाजी की जा रही है, कोई मुख़्तार की मौत को हत्या बताने की राजनीति की जा रही है तो कोई इसे वोट कबाड़ने की सीढ़ी बनाने का प्रयास कर रहा है। यह सभी जानते हैं कि मुख़्तार अंसारी कोई सामान्य अपराधी नहीं था, उस पर 65 मामले दर्ज थे, जिनमें उसको आठ को सजा भी मिल चुकी है, लेकिन इसके बाद भी इस कुख्यात अपराधी के साथ राजनीतिक दलों का खड़े होना कई प्रकार के प्रश्न पैदा कर रहा है। विपक्षी दल जो आरोप लगा रहे हैं, वे एक अपराधी को समर्थन देने जैसा हैं। इससे यह भी अर्थ निकाला जा सकता हैं कि विपक्ष की राजनीति का आधार भी माफिया ही हैं। आज ज़ब विपक्षी राजनीतिक दलों की ओर से मुख़्तार अंसारी की मौत के कारणों की जांच की मांग की जा रही है, तब इसे इसलिए न्यायसंगत कहा जा सकता है कि जांच की मांग करना पूरी तरह से न्यायोचित है, लोकतांत्रिक देश में यह अधिकार सभी को है, लेकिन किसी घटना के बारे निर्णय कर देने की राजनीतिक परंपरा जनता को भ्रमित करने जैसी ही मानी जाएगी। ऐसे में यही कहा जा सकता है कि एक अपराधी को महिमामंडित करके उसके क्रियाकलापों का समर्थन करना राजनीति को अपराध से युक्त करना एक राजनीतिक प्रयास ही माना जाएेगा। यहां एक सवाल यह भी उपस्थित हो रहा है कि मुख़्तार अंसारी के परिजनों ने यह स्पष्ट तौर पर कहा था कि उनकी तबियत बहुत ही खराब है, इसलिए यह भी कहा जा सकता है कि हो सकता है कि मुख़्तार की मौत बीमारी के कारण ही हुई हो, जिसकी पूरी संभावना भी है, क्योंकि ज़ब उनका परिवार ही गंभीर बीमारी की बात कर रहा हो, तब ऐसे सवाल उठाना राजनीति के अलावा कुछ नहीं। दूसरी बात यह भी मानी जा सकती है कि एक समय अपराध की दुनिया के शातिर रह चुके मुख़्तार अंसारी की वह ज़मीन पूरी तरह से खिसक चुकी थी, जिसके सहारे लोगों में डर का माहौल बनता था। इसके कारण उसके चेहरे पर चिंता की लकीरें आना स्वाभाविक है और यही चिंता की लकीरें बहुत बड़े अवसाद का कारण भी बनती हैं। हो सकता यही तनाव उसकी मौत का कारण हो।

उत्तरप्रदेश लम्बे समय तक अपराध युक्त राजनीति का केंद्र रहा है। तमाम अपराधी भी इसके सहारे राजनीतिक संरक्षण प्राप्त करते रहे हैं। इस संरक्षण के माध्यम से बाहुबली राजनीति के पर्याय बने नेताओं ने जहां एक ओर ज़मीनों पर अवैध कब्जा किए, वहीं कभी कभी निर्दोष लोगों को डराने के लिए हत्या जैसे कारनामों को भी अंजाम दिया। इसके बाद भी कई राजनेता उनके साथ खड़े दिखाई दिए।

आज ज़ब राजनीति को अपराध से मुक्त करने की आवाज उठाई जाती है, तब उसका इशारा यह स्पष्ट संकेत देता है कि बाहुबल के सहारे जो खेल खेला जाता है, उस पर रोक लगना चाहिए, लेकिन कुछ राजनीतिक दल इस पर मौन साध लेते हैं। यही मौन उनको संरक्षण प्रदान करता है। उत्तरप्रदेश में निश्चित रूप से आज हालात बदले हुए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिना किसी भेदभाव के प्रदेश को अपराध से मुक्त करने का साहस दिखाया है, उसके सार्थक परिणाम भी दिखाई देने लगे हैं। अब उत्तरप्रदेश में माफिया राज चलाने वाले कुख्यात अपराधी या तो जेल में हैं या फिर उन्होंने अपना नया ठिकाना तलाश कर लिया है। इसके बाद बने हालातों में उत्तरप्रदेश की जनता को राहत मिली है। अब न तो रंगदारी की जा रही है और न ही कहीं कोई अपराध करने की सोच रहा है। हम जानते हैं कि माफिया का सबसे ज्यादा निशाना भोले भाले नागरिक ही रहते हैं। इनको ही सबसे ज्यादा प्रताड़ना दीं जाती है। लेकिन अब ऐसे मामलों में बहुत कमी आई है। आम जनता ऐसा ही वातावरण चाहती है। अब मुख़्तार अंसारी की मौत को राजनीतिक रंग देना विपक्ष की किस मानसिकता को उजागर कर रहा है। कहीं यह उत्तरप्रदेश को फिर से बाहुबली राजनीति के मार्ग पर ले जाने का प्रयास है। अगर यह सत्य है तो इस प्रकार की राजनीति बंद होना चाहिए।

मंथन

जीवन का आश्रय स्थल हैं समुद्र

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 8949519406

भारत में हर साल 5 अप्रैल को राष्ट्रीय समुद्री दिवस मनाया जाता है। यह दिवस भारत के समुद्री इतिहास और विरासत को याद करने और भारतीय समुद्री क्षेत्र के महत्व को उजागर करने के लिए मनाया जाता है। राष्ट्रीय समुद्री दिवस 2024 की थीम 'भविष्य को नेविगेट करना : सुरक्षा पहले है'। यह महत्वपूर्ण क्षेत्र हजारों लाखों लोगों को रोजगार प्रदान करता है। समुद्री शिपिंग दुनिया भर में वस्तुओं को ले जाने का सबसे कुशल और सुरक्षित तरीका है। आर्थिक दृष्टि से देखें तो समुद्री क्षेत्र भारत के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वहीं समुद्री क्षेत्र भारत की सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण है। यह दिन हमारे समुद्री क्षेत्र की रक्षा, सुरक्षा और बचाव की आवश्यकता के लिए मनाया जाता है। राष्ट्रीय समुद्री दिवस 5 महासागरों में व्यापार की सुविधा के जरिए समुद्री अर्थव्यवस्था के राष्ट्रीय सहयोग को दर्शाता है। भारत की समुद्री विरासत लगभग पांच हजार साल पुरानी है। आइये, राष्ट्रीय समुद्री दिवस के अवसर पर हम महासागरों के जन जीवन के बारे में जानते है।

यह सत्य है की समुद्र है तो जीव जंतुओं का अस्तित्व है। प्रकृति और मनुष्य के बीच बहुत गहरा संबंध है। दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। समुद्र जलवायु को नियंत्रित करता है, सर्दियों में गर्मी और गर्मियों में ठंडी हवा देता है। यह हमें भोजन और दवाओं के साथ-साथ परिवहन भी देता है। समुद्र से मानव को एक नहीं अनेक लाभ है। भूमि पर वर्षा, तापमान के संतुलन, खनिज के भंडार, मछलियों की बहुतायत से सुलभता और प्राकृतिक सौन्दर्य के साथ आवागमन के साधन भी महासागर उपलब्ध करते है। प्राचीन काल से लोग सागर की यात्रा करने और इसके रहस्यों को जानने की कोशिश में लगे रहे हैं, परंतु माना जाता है कि समुद्र के वैज्ञानिक अध्ययन जिसे समुद्र विज्ञान कहते हैं की शुरुआत कप्तान जेम्स कुक द्वारा 1768 और 1779 के बीच प्रशांत महासागर के अन्वेषण के लिए की गयीं समुद्री यात्राओं से हुई।

पृथ्वी पर जीवन का आरंभ समुद्र से माना जाता है। इसमे मनुष्य जीवन के साथ -साथ समुद्री जीव जंतु और पेड़ पौधों का जीवन निर्वाह होता है। सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रूप से ये हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण और लाभदायक है। समुद्र असीम जैव विविधता का भंडार है। हमारी पृथ्वी का लगभग 70 प्रतिशत भाग महासागरों से घिरा है। महासागरों में पृथ्वी पर उपलब्ध समस्त जल का लगभग 97 प्रतिशत जल समाया हुआ है। महासागरों की विशालता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यदि पृथ्वी के सभी महासागरों को एक विशाल महासागर मान लिया जाए तो उसकी तुलना में पृथ्वी के सभी महाद्वीप एक छोटे द्वीप से प्रतीत होंगे। पृथ्वी पर पाँच महासागर हैं इनमें प्रशांत महासागर 6,36,34,000 वर्ग मील, ऐटलैंटिक महासागर 3,13,50,000 वर्ग मील, हिंद महासागर 2,83,56,000 वर्ग मील, आर्कटिक महासागर 40,00,000 वर्ग मील तथा ऐंटार्कटिक महासागर 57,31,000 वर्ग मील में फैला हुआ है।

विश्व में होने वाली वर्षा महासागरों पर ही निर्भर है। महासागर कभी सूखता नहीं, क्योंकि इसमें से जितना पानी वाष्प बनकर उड़ता है। वह वर्षा द्वारा नदियों में बहकर पुनरू सागर में मिल जाता है। इस प्रकार से पानी का एक चक्र बना रहता है। महासागर लहरों तथा ज्वार भाटा से कई प्रकार के कटाव एवं जमाव करता है, जिनसे विशेष प्रकार की भू-आकृतियाँ बनती हैं। लहरों से विभिन्न प्रकार के द्वीप तथा खाड़ियों का निर्माण होता है।

समुद्र दुनिया भर के लोगों के लिए भोजन, मुख्य रूप से मछली उपलब्ध कराता है किंतु इसके साथ ही यह कस्तूरों, सागरीय स्तनधारी जीवों और सागरीय शैवाल की भी पर्याप्त आपूर्ति करता है। सागर के अन्य मानव उपयोगों में व्यापार, यात्रा, खनिज दोहन, बिजली उत्पादन और नौसैनिक युद्ध शामिल हैं, वहीं आनंद के लिए की गयी गतिविधियों जैसे कि तैराकी, नौकायन और स्कूबा डाइविंग के लिए भी सागर एक आधार प्रदान करता है। समुद्र तटों की सैर मानव जीवन को अपार आनंद की अनुभूति कराते है। ये तट प्रमुख पर्यटनीय स्थलों के रूप में विकसित हो रहे है जहाँ प्रति वर्ष लाखों लोग अठखेलियों के लिए आते है। प्राकृतिक दृश्य मन मोह लेने वाला है। वास्तव में यहां का मनोरम दृश्य तुलना से परे है। समुद्र के सुनहरे और लुभावने तटों पर मनोरंजन के लिये सैर-सपाटा करना सैलानियों के लिये कोई नई बात नहीं है। सैलानी यहाँ स्वर्गिक आनंद का अनुभव करते हैं। समुद्र के सौन्दर्य को देखकर पर्यटकों की हृदय गति तीव्र हो जाती है।

नजरिया

नकली दवाओं से जीवन-रक्षा पर बढ़ते खतरे

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

दवाओं में मिलावट एवं नकली दवाओं का व्यापार ऐसा कुत्सित एवं अमानवीय कृत है जिससे मानव जीवन खतरे में हैं। विडम्बना है कि दवा बनाने वाली कंपनियों के लिए गुणवत्ता नियंत्रण का कोई नियम नहीं है और स्वयं कंपनियां ही अपनी दवाओं की गुणवत्ता का सत्यापन करती हैं। यह ठीक नहीं और ऐसे समय तो बिल्कुल भी नहीं, जब दवाओं की गुणवत्ता को लेकर दुनिया भर में जागरूकता बढ़ रही है। चूंकि भारत एक बड़ा दवा निर्यातक देश है और उसे विश्व का औषधि कारखाना कहा जाता है, दुनियाभर में भारत की दवाओं का निर्यात होता है, ऐसे समय में बार-बार नकली दवाओं का भंडाफोड़ होना या कैंसर जैसी असाध्य बीमारी की नकली दवाओं का व्यापार करने वालो का पर्दापाश होना, न केवल चिन्ता का विषय है, बल्कि एक जघन्य अपराध है। यह भारत की साख को भी आहत करता है। इसलिए सरकार के लिए यह आवश्यक है कि वह दवा कंपनियों के लिए क्वालिटी कंट्रोल का कोई भरोसेमंद नियम बनाए एवं नकली दवाओं का व्यापार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

कुछ दिन पहले ही कैंसर जैसी असाध्य बीमारी की नकली एलोपैथिक दवाओं की फैक्टरियां गाजियाबाद से हैदराबाद तक पकड़ी गईं? हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने 22 से अधिक नकली या मिलावटी आयुर्वेदिक दवाओं की बिक्री पर रोक लगाई है। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कैंसर से जुड़े नकली दवाओं के एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। सुप्रीम कोर्ट में स्वामी रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण के खिलाफ दायर भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) की याचिका की सुनवाई करते हुए सख्त नाराजगी जाहिर की है।

यह तय है कि हमारे देश में आयुर्वेद की बेहद समृद्ध चिकित्सा पद्धति है और करोड़ों लोग इस प्रणाली से लाभान्वित भी हुए हैं। इस बात से आधुनिक चिकित्सा पद्धति (एलोपैथी) या आईएमए का कोई झगड़ा या विरोध भी नहीं है, परेशानी प्रामाणिकता की कसौटी पर खरी आधुनिक चिकित्सा पद्धति को निराधार चुनौती देने और लोगों को गुमराह करने को लेकर है। इन दोनों पद्धतियों के पेशेवरों और दवाओं का अंतिम उद्देश्य मरीजों को स्वस्थ करना है। मगर दुर्योग से दोनों पद्धतियों में कुछ लोभी कारोबारी नकली दवाओं के जरिये बेबस लोगों की सेहत से खिलवाड़ करते हैं। जीवन रक्षक दवाइयों के मामलों में दवा बदलने का मौका नहीं होता है, यहां मिलावट आपको सीधा मौत देती है। दवा व्यवसाय में चलने वाली यह अनैतिकता एवं

अप्रामाणिकता बेचैन करने वाली है। मिलावट व्यवसाय की एक बड़ी विसंगति एवं त्रासदी है। दूध में जल, शुद्ध घी में वनस्पति घी अथवा चर्बी, महँगे और श्रेष्ठतर अन्नों में सस्ते और घटिया अन्नों आदि के मिश्रण को साधारणतः मिलावट या अपमिश्रण कहते हैं। किंतु मिश्रण के बिना भी शुद्ध खाद्य को विकृत अथवा हानिकर किया जा सकता है और उसके पौष्टिक मान-फूड वैल्यू को गिराया जा सकता है। दूध से मक्खन का कुछ अंश निकालकर उसे शुद्ध दूध के रूप में बेचना, अथवा एक बार प्रयुक्त चाय की साररहित पत्तियों को सुखाकर पुनः बेचना मिश्रणरहित अपद्रव्यीकरण के उदाहरण हैं। इसी प्रकार बिना किसी मिलावट के घटिया वस्तु को शुद्ध एवं विशेष गुणकारी घोषित कर झूठे दावे सहित आकर्षक नाम देकर, लुभावने विज्ञापनों से जनता को ठगा जाना अपराध है। पतंजलि आयुर्वेद संस्थान ऐसा ही करते हुए मोटा मुनाफा कमाता रहा है। दरअसल, पतंजलि के भ्रामक विज्ञापनों का पूरा मसला ही अपने आप में एक बड़ा मामला है, खासकर दवाओं के मामले में इसके परिणामों की प्रकृति इसे और गंभीर बना देती है। ऐसे में, अदालत ने केंद्र व राज्य सरकारों के रवैये पर भी गंभीर टिप्पणी की है, विडंबना यह है कि जिस आईएमए ने पतंजलि आयुर्वेद के भ्रामक विज्ञापन और इसके ऊंचे ओहदेदारों के बड़बोलेपन के खिलाफ अदालत की शरण ली है। लेकिन प्रश्न है कि आईएमए ऐसे कितने मामलों में ऐसी जागरूकता बरतती है। अदालत ने अपनी टिप्पणियों में एक बार फिर जता दिया है कि कोई कितना भी रसूखदार क्यों न हो, कानून की महिमा सबसे ऊपर है।

दवा व्यवसाय में एक से बढ़कर एक घातक एवं विडम्बनापूर्ण स्थिति सामने आ रही है। अब आयुर्वेदिक औषधियों को तत्काल राहत देने वाली बनाने के लिए एलोपैथी दवाओं के रसायनों को अवैज्ञानिक तरीके से मिलाने का खतरनाक कारोबार चर्चा में है, जो गंभीर चिंता का विषय बन रहा है। मध्यप्रदेश में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने राजधानी सहित आसपास के नगरों की दवा दुकानों पर छापा मारकर आठ करोड़ 23 लाख रुपये मूल्य की ऐसी आयुर्वेदिक दवाएं जब्त की हैं जिनके बारे में दावा किया जा रहा था कि इनमें रोगों से लड़ने की चमत्कारी शक्ति है। जांच में तथ्य सामने आये हैं कि आयुर्वेदिक दवा वताहारी वटी तथा चंदा वटी में एलोपैथी दवा डाइक्लोफेनिक व एसिक्लोफेनिक को मिलाकर अवैध फार्मूला विकसित किया गया है जिसे दवा विक्रेता जादुई बताकर देश के विभिन हिस्सों में बेच रहे थे। उक्त दोनों रसायनों का उपयोग एलोपैथी में दर्द निवारक के रूप में किया जाता है।

पिछले दिनों विदेश व्यापार महानिदेशालय ने एक अधिसूचना जारी कर कहा कि एक जून से कफ सिरप निर्यातकों को विदेश भेजने के पहले अपने उत्पादों का निर्धारित सरकारी प्रयोगशालाओं में परीक्षण कराना आवश्यक होगा। लेकिन यह दवाओं की मिलावट एवं नकली दवाओं के उत्पाद पर नियंत्रण के लिये पर्याप्त नहीं है। यह ठीक है कि विदेश व्यापार महानिदेशालय ने कफ सिरप के मामले में एक आवश्यक कदम उठाया, लेकिन ऐसा कदम तो निर्यात होने वाली सभी दवाओं के मामले में उठाया जाना चाहिए।

बात केवल निर्यात होने वाली दवाओं का ही नहीं है, बल्कि देश में उपयोग में आने वाली नकली एवं मिलावटी दवाओं का भी है। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कुछ समय पहले एक भारतीय फार्मा कंपनी की ओर से अमेरिका भेजी गई आई ड्राप में खामी मिलने की बात सामने आई थी। प्रश्न यह है कि यह नया नियम केवल खांसी के सिरप पर ही क्यों लागू हो रहा है? क्या इसलिए कि पिछले वर्ष गांबिया और उज्बेकिस्तान में भारतीय दवा कंपनियों की ओर भेजे गए कफ सिरप में खामी पाई गई? विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारतीय कंपनियों की ओर से इन देशों में निर्यात किए गए कफ सिरप से कुछ बच्चों की मौत का भी दावा किया। यद्यपि इस दावे को भारत-सरकार ने चुनौती दी, लेकिन देश से निर्यात होने वाले कफ सिरप की गुणवत्ता को लेकर विश्व के कुछ देशों में संशय पैदा होना स्वाभाविक है और दुखद भी है। स्पष्ट है कि भारत को अपने दवा उद्योग की साख को बचाने के लिए हरसंभव जतन करने होंगे। जिस तरह विदेश व्यापार महानिदेशालय कफ सिरप के निर्यात के मामले में सक्रिय हुआ, उसी तरह औषधि महानियंत्रक को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि देश में बनने वाली दवाओं की गुणवत्ता को लेकर कहीं कोई सवाल न उठने पाए। मिलावटी दवाओं के कारोबार पर नकेल कसने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय ने देश में पहली बार बड़े पैमाने पर एक अभियान शुरू किया है, जल्द ही इसके नतीजे सामने आने की संभावना है। दवाओं की क्वालिटी को बरकरार रखने के लिए हाल ही में यूके के साथ स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक एमओयू भी साइन किया है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बीमा लोकपाल संस्थान ने सर्वकालिक उच्च संख्या में शिकायतों का निपटारा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/दक्षिण भारत। बीमा लोकपाल संस्थान ने मार्च में सर्वकालिक उच्च संख्या में शिकायतों का निपटारा किया। इस संबंध में दी गई जानकारी के अनुसार, बीमा लोकपाल परिषद, मुंबई के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत काम करने वाले बीमा लोकपाल कार्यालयों (पूरे भारत में 17) ने 31 मार्च को वित्तीय वर्ष 2023-24 को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।

बताया गया कि वर्ष 2023-24 में सर्वकालिक उच्च संख्या में शिकायतों के निपटान के साथ इस संस्थान की एक उल्लेखनीय उपलब्धि देखी गई। इस दौरान निपटाई गईं शिकायतों की संख्या 3,6845 रही। वहीं, निपटाई गईं शिकायतों की संख्या मध्यस्थता के माध्यम से (अनुशंसित) 15,528 रही। शिकायतकर्ताओं के पक्ष में पारित पुरस्कार एवं अनुशंसा की संख्या 24,815 रही।

इसी तरह, मध्यस्थता के माध्यम से निपटाई गईं शिकायतें (सिफारिश) आयु के रूप में वर्ष के दौरान निस्तारित शिकायतों के लिए 42.14 प्रतिशत रहीं। 31 मार्च तक शून्य बकाया वाले बीमा लोकपाल के नौ कार्यालय अहमदाबाद, भुवनेश्वर, दिल्ली, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, लखनऊ, नोएडा और पटना रहे।

इसके अलावा, वर्ष के दौरान 34 प्रतिशत शिकायतें वेबसाइट सीआईओआईएनएस डॉट सीओ डॉट इन पर दर्ज की गईं। 74 प्रतिशत शिकायतें ऑनलाइन सुनी गईं और उनका निपटारा किया गया। बीमा लोकपाल परिषद द्वारा की गई सबसे महत्त्वपूर्ण पहलों में से एक, अप्रैल 2023 में सभी लोकपालों के लिए डिजिटल हस्ताक्षर की शुरुआत है। बीमा लोकपाल द्वारा पारित मध्यस्थता (सिफारिश) को डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित किया गया और शिकायतकर्ताओं और संबंधित बीमाकर्ताओं, दोनों को तुरंत मेल कर दिया गया। इस पहल से लगभग 2 लाख कागज (ए4 आकार के) की बचत की गई।

रोड शो

वायनाड में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के सुरेंद्रन के साथ कलपेट्टा में रोड शो किया। वह गुरुवार को वायनाड संसदीय क्षेत्र से आगामी लोकसभा चुनाव के लिए एनडीए उम्मीदवार के सुरेंद्रन का नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले वायनाड पहुंचीं।

अभिवादन

तिरुवनंतपुरम में एनडीए उम्मीदवार और केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर, केंद्रीय मंत्री एस जयशंकर और अन्य लोग गुरुवार को तिरुवनंतपुरम में आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले लोगों का अभिवादन करते हुए।

विपक्ष को 'हिंदी, हिंदुत्व, हिंदुस्तान' वाले एजेंडे की वजह से चिंता है : थरूर

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने राजस्थान की नागौर लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उम्मीदवार ज्योति मिर्धा द्वारा ''संवैधानिक बदलाव'' वाली टिप्पणी पर स्पष्टीकरण दिए जाने के बाद बृहस्पतिवार को कहा कि विपक्ष की चिंता 'हिंदू राष्ट्र' समर्थकों के ''हिंदी, हिंदुत्व, हिंदुस्तान'' वाले एजेंडे को लेकर है। पिछले दिनों ज्योति मिर्धा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया था जिसमें वह यह कहती सुनी जा सकती हैं कि संवैधानिक बदलाव के लिए लोकसभा और राज्यसभा में प्रचंड बहुमत होना चाहिए।

कांग्रेस ने इस वीडियो का हवाला देते हुए आरोप लगाया था कि भाजपा की रणनीति संविधान बदलने की है। थरूर ने भी इसको लेकर मिर्धा की आलोचना की थी।

मिर्धा ने थरूर द्वारा आलोचना किए जाने पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा था, जहां तक मैं समझती हूं, भाजपा का उद्देश्य राष्ट्रीय और सार्वजनिक हित को पूरा करना है... और अगर उन उद्देश्यों के लिए संविधान में संशोधन की आवश्यकता है तो ऐसा किया जाएगा।

थरूर ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, प्रिय ज्योति मिर्धा, हम लोकसभा में सहयोगी हुआ करते थे, इसलिए मुझे आपके स्पष्टीकरण का रचनात्मक जवाब देना चाहिए। आपने जो उदाहरण दिया है वह पुष्टि करता है कि भाजपा को प्रचंड बहुमत की जरूरत नहीं है। राष्ट्रीय हित में, सार्वजनिक हित में संशोधन पारित करें और उन्हें विपक्षी दलों का समर्थन भी मिलेगा (जैसे कांग्रेस ने महिला आरक्षण विधेयक का खुशी-खुशी समर्थन किया था, जिसे हमने पहली बार 2013 में प्रस्तावित किया था)।

तिरुवनंतपुरम से लोकसभा सदस्य ने कहा, यह केवल आंबेडकर जी के संविधान की भावना को धोखा देने वाले विभाजनकारी संशोधनों को आगे बढ़ाने के लिए है, जिसके लिए किसी भी पार्टी को अन्य पार्टियों से आगे निकलने के वास्ते संख्या की आवश्यकता होती है। आप जिन 106 संशोधनों का उल्लेख कर रही हैं, उन्हें लगभग सभी पार्टियों से समर्थन मिला था।

थरूर ने कहा, हमारी चिंता यह है कि संविधान में संशोधन की आवश्यकता की ऐसी बातें हिंदू राष्ट्र के समर्थकों के ''हिंदी, हिंदुत्व, हिंदुस्तान'' एजेंडे से पैदा होती है। इन्हें विपक्ष का समर्थन नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा, आपके परिवार के कांग्रेसजन की कई पीढ़ियों द्वारा भारत को विभाजनकारी और सांप्रदायिक एजेंडे से मुक्त रखने के लिए लड़ाई लड़ी गई।

प्रधानमंत्री दूरदर्शी हैं, वे वर्ष 2047 के भारत के बारे में सोच रहे : शिवराज

भोपाल/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता शिवराज सिंह चौहान ने बृहस्पतिवार को कहा कि एक दूरदर्शी नेता होने के नाते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज के बारे में नहीं बल्कि 2047 के भारत का खाका खींच रहे हैं।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री यहां होशंगाबाद से भाजपा के उम्मीदवार दर्शन चौधरी से मिलने आए थे। चौधरी दिन में अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे।

चौहान ने होशंगाबाद जिले, जिसे अब नर्मदापुरम के नाम से जाना जाता है, में संवाददाताओं से कहा, हमारे प्रधानमंत्री एक दूरदर्शी नेता हैं और वह आज के बारे में नहीं सोचते हैं। 2047 में भारत कैसा होगा...मोदी आज इसकी योजना बना रहे हैं। सिर्फ (अगले) पांच साल के बारे में नहीं।

जब उनसे दिल्ली में भाजपा की घोषणा पत्र समिति की बैठक के बारे में पूछा गया, जिसमें वह शामिल होंगे तो उन्होंने कहा, नई सरकार के गठन के बाद 100 दिनों का एजेंडा पहले से ही तैयार है क्योंकि यह सरकार वापस आ रही है और इसमें कोई संदेह नहीं है। यह 370 के साथ-साथ 400 का आंकड़ा भी पार कर जाएगी। लेकिन 2047 में भारत कैसा होगा, इसका खाका तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा, विकसित भारत हमारा संकल्प है और भाजपा और प्रधानमंत्री ने लोगों से सुझाव मांगे हैं। उनके आधार पर घोषणा पत्र को अंतिम रूप दिया जाएगा।

चौहान ने कहा कि भाजपा ने देश में महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने का फैसला किया है। उन्होंने आगे कहा, हमारी बहनों की आंखों में आंसू नहीं होंगे और उनके चेहरे पर मुस्कान होगी। हमें उनके आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक और राजनीतिक सशक्तिकरण का समर्थन करना है। इसके बाद एक आमसभा में बोलते हुए चौहान ने कहा कि आने वाले दिनों में भारत को विश्व गुरु बनने से कोई नहीं रोक सकता।

कांग्रेस और विपक्ष के 'इंडी' गठबंधन पर निशाना साधते हुए चौहान ने कहा कि न केवल उनके पास नेता का अभाव है, बल्कि नीति और इरादे की भी कमी है।

भाजपा नेता ने कहा कि आजादी के बाद, महात्मा गांधी ने कांग्रेस को भंग करने का आह्वान किया था, लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने सलाह पर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, लेकिन राहुल गांधी ने ठान लिया है कि वह तब तक नहीं रुकेंगे जब तक वह कांग्रेस को खत्म नहीं कर देंगे। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर में प्राणप्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण ठुकराने के लिए भी कांग्रेस की आलोचना की और कहा कि पार्टी अपना विवेक खो चुकी है। चौहान ने कहा, आज पार्टी से नेताओं का पलायन हो रहा है और इसे कोई नहीं बचा सकता।

मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना आपकी राष्ट्रीय जिम्मेदारी है: नड्डा

पिथौरागढ़/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बृहस्पतिवार को उत्तराखंड की जनता से प्रदेश की सभी पांच लोकसभा सीट पर भाजपा को फिर जिताकर नरेन्द्र मोदी को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने और भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में मदद करने की अपील की।

यहां प्रदेश में अपनी पहली चुनावी सभा को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा, देश प्रधानमंत्री के हाथों में सुरक्षित है, देश उनके नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है, उन्हें तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है। यह आपकी राष्ट्रीय जिम्मेदारी है।

नड्डा ने कहा कि कोविड-19 की मार और रूस-यूक्रेन युद्ध के बावजूद ब्रिटेन को पीछे छोड़कर भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने कहा, अब आप तीसरी बार भी पांचों सीट पर भाजपा को जिताएंगे तो मोदी जी के नेतृत्व में भारत तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान आम चुनाव में जनता को घोटालेबाजों और उन लोगों के बीच में चुनाव करना है जिन्होंने उनका दर्द समझा और उनके विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी। नड्डा ने कहा, आपको चयन करना है। एक तरफ वे लोग हैं जिन्होंने उत्तराखंड के दर्द को समझा, उसे आगे बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी, प्रदेश के युवाओं की आकांक्षाओं को पंख लगाए और महिलाओं को ताकत दी और दूसरी तरफ वे लोग हैं जिन्होंने दशकों तक आपके साथ धोखा किया, जिन्होंने घोटाले किए और आपको विनाश की तरफ धकेला। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के कार्यकाल में अनेक घोटाले हुए और उसने जल, थल, नभ और पाताल हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार किया। इस संबंध में, कोयला घोटाला, बोफोर्स घोटाला, पनडुब्बी घोटाला, अगस्ता वेस्टलैंड हैलीकॉप्टर घोटाला, टूजीथ्रीजी घोटाला, राष्ट्रमंडल खेल घोटाला का नाम गिनाते हुए नड्डा ने कहा, इन्होंने न जल छोड़ा, न नभ छोड़ा, न ही थल छोड़ा और न ही पाताल छोड़ा। इन्होंने तीनों लोकों में भ्रष्टाचार किया। यह कांग्रेस पार्टी का इतिहास है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हर क्षेत्र में चहुंमुखी विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक सामान के क्षेत्र में भारत 2014 के मुकाबले छह गुना आगे बढ़ गया है जबकि इस्पात के क्षेत्र में हम दस साल में चौथे नंबर से दूसरे नंबर पर आ गए हैं। उन्होंने कहा कि वाहनों के उत्पादन और बिक्री में जापान को पछाड़कर हम तीसरे नंबर का ऑटोमोबाइल उद्योग बन गए हैं, जबकि सबसे सस्ती और कारगर दवाइयां बनाकर हम दुनिया की सबसे बड़ी 'फॉर्मेसी' बन गए हैं।

हैदराबाद में राशि खन्ना ने खरीदा तीसरा घर

मुंबई/एजन्सी

एक्ट्रेस राशि खन्ना ने हैदराबाद में अपना तीसरा घर खरीदा है। उन्हें हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'योद्धा' के लिए काफी पॉजिटिव फीडबैक मिल रहा है। एक्ट्रेस अपने परिवार और दोस्तों के साथ गृहप्रवेश समारोह के लिए हैदराबाद गईं। तस्वीरों में एक्ट्रेस को इंडियन आउटफिट में गृहप्रवेश करते हुए देखा जा सकता है। उनके साथ उनकी मां और उनके कुछ करीबी रिश्तेदार भी हैं। उन्होंने पहले हैदराबाद में दो घर खरीदे थे, एक 2015 में और दूसरा 2017 में। वर्कफ्रंट की बात करें तो, एक्ट्रेस 'द साबरमती रिपोर्ट' की रिलीज के लिए तैयारी कर रही है, जिसमें वह विक्रांत मैसी के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करती नजर आएंगी। फिल्म का टीजर, जो हाल ही में जारी किया गया था, गोधरा ट्रेन त्रासदी के पीछे क्या हुआ, इसकी झलक पेश करता है।

टीजर में विक्रांत एक खोजी पत्रकार के किरदार में नजर आ रहे हैं। रंजन चंदेल द्वारा निर्देशित यह फिल्म 3 मई को रिलीज होगी। एक्ट्रेस के पास तमिल फिल्म 'अरनमनई 4' और तेलुगु फिल्म 'तेलुसु कड़ा' भी है।

'मेट्रो...इन दिनों' की शूटिंग के लिए जाते समय ट्रैफिक में फंसी सारा अली खान

मुंबई/एजन्सी

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर दो वीडियो शेयर किए, जिसमें एक में एक्ट्रेस का कार में बैठे हुए वीडियो शामिल है। इसमें सारा येलो कलर के टॉप में नजर आ रही हैं और पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, हैशटैग शूट डे। दूसरी स्टोरी में 'केदारनाथ' फेम एक्ट्रेस को आइस फेशियल करते हुए देखा जा सकता है। वह पफीनेस को कम करने के लिए अपनी आंख के नीचे और फेस पर आइस फेशियल करती नजर आ रही हैं। वीडियो के कैप्शन में लिखा गया, यह लॉन्ग ड्राइव है... ट्रैफिक क्या करें? अब ये ही है मेट्रो इन दिनों। सारा ने शाहरुख खान, माधुरी दीक्षित, करिश्मा कपूर-स्टारर 1997 की फिल्म 'दिल तो पागल है' के पॉपुलर ट्रैक 'भोली सी सूरत' का म्यूजिक दिया। 'मेट्रो...इन दिनों' का निर्देशन अनुराग बासु ने किया है। सारा को हाल ही में दो प्रोजेक्ट्स 'मर्डर मुबारक' और 'ऐ वतन मेरे वतन' में देखा गया था, जो ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई। उनके पास 'स्काई फोर्स' भी है।

कर्नाटक में शुरू होगी यश की फिल्म टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स की शूटिंग

मुंबई/एजेनसी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के जानेमाने अभिनेता यश की आने वालीी फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' की शूटिंग जल्द हीं कर्नाटक में शुरू होगी। गीतू मोहनदास द्वारा निर्देशित और वेंकट के नारायण के केवीएन प्रोडक्शंस और यश के मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस द्वारा निर्मित, फिल्म टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स की शूटिंग जल्द ही कर्नाटक में शुरू होगी।

फिल्म के निर्माताओं ने बताया,सुविधाओं की कमी के कारण, हमारी सभी बड़ी फिल्में राज्य के बाहर शूट की जाती हैं। यश ने लंबे समय से इस चिंता को व्यक्त किया है, और इसे बदलने के लिए, हम केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस में कर्नाटक में टॉक्सिक की शूटिंग शुरू कर रहे हैं। हमने पहले ही बड़े-बड़े सेट बना लिए हैं, जिससे राज्य में जमीनी स्तर पर लोगों, तकनीशियनों और नवोदित प्रतिभाओं के लिए कई रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं। हम ग्लोबल क्षमता वाली फिल्म बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' 10 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

भक्ति राठौड़ ने फिल्म 'जर्नी' की शूटिंग पूरी की

मुंबई/एजेनसी

अभिनेत्री भक्ति राठौड़ ने अपनी आने वाली फिल्म 'जर्नी' की शूटिंग पूरी कर ली है। अनिल शर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी 'जर्नी' की शूटिंग पूरी कर ली गयी है। फिल्म 'जर्नी' में, भक्ति ने मंजरी की चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाई है। भक्ति राठौर ने बताया,अनिल शर्मा प्रोडक्शंस मेरे लिए दूसरे घर की तरह है। 'गदर 2' में उनके साथ मेरे सहयोग के बाद से, अनिल शर्मा ने मेरे साथ परिवार की तरह व्यवहार किया है। वह वास्तव में दर्शकों की नब्ज को समझते हैं, और मुझें आशा है कि इस परियोजना के साथ हमारे प्रयास जनता को पसंद आएंगे। यह शूटिंग का आखिरी दिन था जो मेरे लिए थोड़ा भारी था। फिल्म का सेट हमेशा घर जैसा लगता है और क्रू परिवार जैसा। नाना पाटेकर के साथ काम करना एक अद्भुत अनुभव था। इस यात्रा को समाप्त करते हुए मैं भावुक महसूस कर रही हूं और अब, हम बड़े पर्दे पर दर्शकों की प्रतिक्रिया का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अनिल शर्मा द्वारा निर्मात-निर्देशित 'जर्नी' में नाना पाटेकर, भक्ति राठौर,उत्कर्ष शर्मा, राजेश शर्मा, राजपाल यादव और अन्य जैसे कलाकार शामिल हैं।

'द एकेडमी' ने इंस्टाग्राम पेज पर शेयर किया बाजीराव मस्तानी का 'दीवानी मस्तानी' गीत

मुंबई/एजन्सी

पिछले दिनों दीपिका ने खुशखबरी दी थी कि वह इस साल सितंबर में अपने पहले बच्चे को जन्म देंगी। अब दीपिका ने अपने प्रशंसकों को एक और खुशखबरी है। 'द एकेडमी' ने दीपिका, रणवीर सिंह और प्रियंका चोपड़ा की फिल्म 'बाजीराव मस्तानी' के लोकप्रिय गाने 'दीवानी मस्तानी' को अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पेज पर शेयर किया है। गाना दीपिका पर फिल्माया गया था। फिल्म साल 2015 में रिलीज हुई थी। 'द एकेडमी' ने गाने की वीडियो क्लिप अपलोड की है। इसके साथ कैप्शन में गाने की डीटेल्स दी गई हैं। लिखा है, फिल्म 'बाजीराव मस्तानी' के 'दीवानी मस्तानी' (सिंगर श्रेया घोषाल द्वारा गाया गया) गाने पर दीपिका पादुकोण की परफॉर्मेंस।

डायरेक्टर संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण और प्रियंका चोपड़ा जोनस थे। दीपिका को यह सम्मान मिलने पर उनके पति एक्टर रणवीर सिंह खुशी से फूले नहीं समा रहे। रणवीर ने लिखा- मेस्मेरिक। 'बाजीराव मस्तानी' बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही थी। रणवीर ने 'पेशवा बाजीराव', प्रियंका ने 'बाजीराव' की पहली पत्नी 'काशीबाई' और दीपिका ने 'मस्तानी' की भूमिका अदा की थी। गौरतलब है कि पिछले साल 95वें अकादमी अवार्ड्स में दीपिका प्रजेंटर के रूप में शामिल हुई थीं। दीपिका ने एमएम कीरावन के डायरेक्शन वाली सुपरहिट मूवी 'आरआरआर' के ऑस्कर विनिंग सॉन्ग 'नाटू नाटू' की परफॉर्मेंस को इंट्रोड्यूस किया था।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

खरतरगच्छाधिपति आचार्य जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी, गणि मयंकप्रभसागरजी, गणि मेहुलप्रभसागरजी, साध्वी सूर्यप्रभाश्री, स्नेहसुरभिजी, पूर्णप्रभाश्रीजी ने गुरुवार को शहर के गब्बुर रोड स्थित श्री आदिनाथ जिनालय एवं दादावाडी में आगमन किया।

शहर के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं ने दशा माता की पूजा कर मांगी मन्नतें

पारम्परिक वेशभूषा में डोरा लेकर महिलाओं ने सुनी माता की कथा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। चैत्र मात्र के कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि को दशा माता की पूजा अर्चना की जाती है। धार्मिक मान्यता है कि दशा माता की पूजा अर्चना और व्रत करने से घर की दिशा-दशा में सुधार आता है और दरिद्रता का अंत होता है। इस दिन महिलाएं कच्चे सूत का 10 तार का डोरा बनाकर उसमें 10 गांठ लगाती हैं और फिर उसे लेकर पीपल के वृक्ष की पूजा अर्चना करती हैं। इस व्रत में डोरे का विशेष महत्व होता है क्योंकि यह दशा माता का डोरा कहलाता है, जिसे महिलाएं साल भर तक गले में धारण करती हैं। मान्यता है कि ऐसा करने से सभी परेशानियों से मुक्ति मिलती है और घर के सदस्यों की उन्नति होती है। इस व्रत में साफ सफाई का ध्यान रखा जाता है और इस दिन घरेलू सामान व झाड़ू खरीदने का विशेष महत्व होता है। पौराणिक ग्रंथों के अनुसार, यह व्रत सभी तरह की परेशानियों से बचाता है। इस दिन दशा माता की कथा पढ़ने से दस गुना अधिक फल मिलता है। उसी परम्परा का निर्वहन करते हुए शहर के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषकर राजस्थानी व उत्तरभारतीय महिलाओं ने दशा माता की पूजा कर व्रत धारण किया तथा दशा माता की कथा का श्रवण किया, उसी अवसर के कुछ चित्र :

माव्वली

शहर के लालबाग के पास माव्वली स्थित हुल्लास कुंज में दस दिन से लगातार दशा माता का आयोजन हुआ, दशमी के दिन गुरुवार को महिलाओं ने दशा माता के गुणगान कर पूजा की।

बोम्मनहल्ली

शहर के बोम्मनहल्ली विराटनगर महिला मडंल की महिलाओं ने गुरुवार को अपने परिवार की सुख समृद्धि कामना को लेकर दशा माता का पूजजे की तथा दशा माता की कथा का श्रवण किया।

लक्ष्मीनारायणपुरा

बेंगलूरु के प्रकाशनगर स्थित लक्ष्मीनारायणपुरा में राजस्थानी महिलाओं ने अपने परिवार की सुख समृद्धि के लिए दशा माता का पूजा की और आटे और हल्दी से बनी सोलह श्रृंगार की सामग्री अर्पण की।

बानसवाड़ी

बेंगलूरु के बानसवाड़ी सेवा संघ की कर्नाटक महिला मंडल की महिलाओं ने गुरुवार को बानसवाड़ी स्थित उमा महेश्वरी मंदिर में भजन-कीर्तन कर दशामाता की पूजा-अर्चना की तथा अपने परिवार के लिए सौभाग्य, ऐश्वर्य, सुख-शांति और अच्छी सेहत की कामना की।

आस्टिन टाउन

बेंगलूरु के आस्टिन टाऊन में गुरुवार को सुबह महिलाओं द्वारा दशा माता की श्रद्धापूर्वक विधि विधान से पूजा की तथा परिवार के लिए सुख समृद्धि की मंगलकामना की।

जिस समाज में परस्पर टांग खिंचाई होती है, वह समाज कभी आगे नहीं बढ़ पाता : आचार्य जिनमणिप्रभसूरी

गुरु मंगलम उत्सव में शामिल हुए केन्द्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। खरतरगच्छाधिपति आचार्य जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी, गणि मयंकप्रभसागरजी, गणि मेहुलप्रभसागरजी, साध्वी सूर्यप्रभाश्री, स्नेहसुरभिजी, पूर्णप्रभाश्रीजी ने गुरुवार को शहर के गब्बुर रोड स्थित श्री आदिनाथ जिनालय एवं दादावाडी में आगमन किया। कुशल भवन में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्यश्री जिनमणिप्रभसूरीजी ने कहा कि समाज एक परिवार है। परिवार में जैसे हम सभी आत्मीयता के साथ जीते हैं। एक दूसरे के प्रति पूरा उत्तरदायित्व निभाते हैं, ऐसे ही हमें समाज में जीना होता है। जिस समाज में एक दूसरे के सुख में सुखी और दुख में दुखी हुआ जाता है, वही समाज प्रगति करता है। समाज को उँचा उठाने के लिये हर व्यक्ति को पुरूषार्थ करना होगा। एक दूसरे के प्रति सहयोग का भाव रखना होगा।

उन्होंने कहाकि हम अपने ही भाई का सहयोग नहीं कर सके तो कोई बात नहीं, पर हमें टांग खिंचने का कोई अधिकार नहीं है। जिस समाज में परस्पर टांग खिंचाई होती है, वह समाज आगे नहीं बढ पाता। उन्होंने दादावाडी की दिव्यता के बारे बताते हुए कहा कि 10 वर्ष पूर्व जब प्रतिष्ठा महोत्सव हुआ था, वह प्रसंग सकल जैन समाज के सहयोग से उल्लास की चरम सीमा का अनुभव हुआ था। इस संस्थान के माध्यम से जन सेवा के अनेक प्रकल्प आयोजित किए जाने चाहिए, जिससे समाज का कल्याण हो सके।

मेहुलप्रभसागरजी ने देव-गुरु की महिमा समझाते हुए कहा कि गौतम स्वामी और दादा गुरुदेव के उपकारों को याद कर उनके बताए मार्ग पर हमें चलना होगा। उन्होंने कहा कि जीवन को उँचाईयों की ओर ले जाना है, तो हमें अनुशासन अपनाना होगा। अनुशासन की परिभाषा है- मर्यादा। हर व्यक्ति को अपनी मर्यादा में जीना होता है। मर्यादा का जो भी उल्लंघन करता है,वह घोर अशांति का कारण बन जाता है। मुनिवर मयूखप्रभसागरजी ने कहा कि धन, सत्ता पद न हो तो भी जीवन जीना आसान होता है। साथ में सभी के दिलों में अपना निवास हो जाता है।

कार्यक्रम का संचालन पुखराज कवाड ने किया। अध्यक्ष रमेश बाफना ने सभी का स्वागत किया तथा संतों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

जैन मरुधर संघ के दिनेश संघवी ने गुरु दर्शन से जीवन में मंगल का संदेश दिया। इस मौके पर उपस्थित केन्द्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी एवं स्थानीय विधायक महेन्द्र टंगिनकाई का स्वागत किया गया। राजनेताओं ने संतों के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया। यह जानकारी रमेश लुहार ने दी।

समकालीन विषयों पर क्रिस्तु जयंती कॉलेज में हुई एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कोतनूर स्थित क्रिस्तु जयंती महाविद्यालय के हिंदी अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित 'समकालीन हिंदी साहित्य में विमर्श की विविध आयाम' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न हुई। उद्घाटन के अवसर पर वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो.राम प्रकाश ने समकालीन विमर्श पर बहुत विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि अस्मिता-बोध की तभी आवश्यकता पड़ती है, जब हमारी पहचान पर खतरा हो। तात्पर्य यह कि अगर किसी व्यक्ति या समुदाय के जाति, धर्म, कुल, वंश, राष्ट्र, भाषा, लिंग आदि पहचानों को मिटाने या हीन साबित करने की कोशिश की जाती है तो वह अमुक व्यक्ति या समुदाय इन पहचानों को बचाने की चेष्टा करता है। संगोष्ठी में पांडिचेरी केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो.पद्माप्रिया ने अपने विचार व्यक्त किए। अध्यक्ष के रूप में क्रिस्तु जयंती महाविद्यालय के प्राचार्य फादर. डॉ. अगस्टीन जॉर्ज ने अस्मिता मलक चिंतन पर विशेष प्रकाश डाला। इस मौके पर विशेष उपस्थिति के रूप में मानवीकी संकाय के अध्यक्ष डॉ. गोपकुमार. ए.वी. ने अस्तित्व एवं अस्मिता की आवश्यकता पर विचार व्यक्त किए। विषय प्रवर्तक के रूप में हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ.श्रीधर पी.डी ने समकालीन हिंदी साहित्य में विमर्श की विविध आयाम की रूपरेखा की विश्लेषण किया। इस एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी दो सत्रों में आयोजन किया गया था, जिसका पहला सत्र- समकालीन हिंदी साहित्य में आदिवासी, पर्यावरण और वृद्ध तथा दूसरा सत्र समकालीन हिंदी साहित्य में दलित, स्त्री, पुरुष, बाल और अन्य विषयों पर विमर्श किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. विनोद बाबूराव मेघशाम ने किया। कृष्णा डी लमानी ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के संयोजक के रूप में डॉ अब्दुल रजाक, डॉ गणशेतवार साईनाथ नागनाथ थे।

सम्मान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के चन्द्रा लेआउट के चैलेंजिंग रॉकर्स डांस स्टूडियो द्वारा 'पुनीत नमन' नामक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें बाल प्रतिभाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। इस अवसर पर अतिथि के रूप में समाजसेवी महेंद्र मुणोत एवं अभिनेता दीक्षित शेट्टी ने बच्चों को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया।

'गुरु आज्ञा के पालन में ही कल्याण निहित है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी। शहर के कॉटन मिल्स में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जैसे युद्ध भूमि में लड रहे सैनिक दुश्मनों के प्रहार होने पर भी सेनापति के आदेश का पालन करते है, वैसे ही शिष्य को भी गुरु के वचन की आज्ञा का पालन करना चाहिए। गुरु के वचन ही मंत्र है और वे सदैव हितकारी व कल्याणकारी होती है। जो व्यक्ति गुरु की बात व आज्ञा मानता है उसका हमेशा कल्याण होता है। गुरु हमें पथ दिखाते हैं हमें उस पथ का पालन करना चाहिए। गुरु आज्ञा के पालन में ही कल्याण निहित है।

चित्रदुर्गा कांग्रेस पार्टी का गढ़ है, उम्मीदवार चन्द्रप्पा 2 लाख से ज्यादा अंतर से जीतेंगे : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्रदुर्गा। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने पूछा कि मोदी को ऑपरेशन कमल के लिए हजारों करोड़ रुपये कहां से मिले? कांग्रेस और अन्य पार्टी के विधायकों को करोड़ों का भुगतान करने के लिए हजारों करोड़ रुपये कहां से आए? मुख्यमंत्री ने मांग की कि पीएम मोदी को देश की जनता को जवाब देना चाहिए कि यह कालाधन है या नहीं। वह चित्रदुर्गा लोकसभा क्षेत्र में आयोजित एक सार्वजनिक बैठक का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे।

उन्होंने मोदी से सवाल पूछतेहुए कहा कि 'पीएम ने कहा है कि वह विदेश से काला धन वापस लाएंगे और हर भारतीय के परिवार में 15 लाख रुपये जमा करेंगे।' क्या वह? उन्होंने कहा था कि किसानों की आय दोगुनी कर दी जायेगी। एक रुपया भी आमदनी नहीं बढ़ी। उन्होंने प्रति वर्ष 2 करोड़ नौकरियाँ पैदा करने का वादा किया था। क्या आपने ऐसा किया नरेंद्र मोदी?' 'आपने कहा था कि आप पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस, खाद, तेल, दालें बहुत कम दाम पर उपलब्ध कराएंगे, क्या आपने ऐसा किया मोदी जी?'

सिद्दरामैया ने कहा कि यह कांग्रेस सरकार है कि 'हमने पांच गारंटी लागू की हैं क्योंकि हम उन परिवारों को कुछ आराम देना चाहते हैं जो आपके समय में मूल्य वृद्धि के कारण परेशानी में थे। प्रति परिवार 4 से 6 हजार रुपये की बचत हुई है और मेरे लोगों की क्रय शक्ति बढ़ी है। ये कांग्रेस की सरकार से संभव हुआ है श्रीमान मोदीजी।

उन्होंने कहा कि 'जब सत्ता में होते हैं, तो वे पैसा लूटते हैं और फिर लोगों की भावनाओं से खेलते हैं। चित्रदुर्ग से बीजेपी उम्मीदवार गोविन्द कारजोला यहां से नहीं हैं। कांग्रेसी चंद्रप्पा हारने के बाद भी लोगों के बीच रहे और लोगों की समस्याओं का जवाब प्रायश्चित्त की तरह दिया।

समाज कल्याण मंत्री के रूप में करजोला ने पिछड़ों, दलितों और श्रमिक वर्गों के लिए कुछ नहीं किया है। करजोला के पास कुछ गुप्त धन हो सकता है। लेकिन चंद्रप्पा एक सज्जन व्यक्ति हैं और लोगों की सेवा करना चाहते हैं। इसलिए, चित्रदुर्ग के लोगों को एक स्वर में कहना चाहिए कि 'श्री कराजोला वापस जाओ'।

उन्होंने कहा कि भाजपा आज तक अपने बल पर सत्ता में नहीं आई है। वे पिछले दरवाजे से दो बार सत्ता में आये हैं। प्रदेश की जनता को बार-बार प्रदेश को धोखा देने वाली भाजपा को उचित सबक सिखाना होगा।

इस मौके पर मंत्री सतीश जराकीहोली, डी. सुधाकर, लोकसभा उम्मीदवार चंद्रप्पा, दिल्ली के विशेष प्रतिनिधि टी. बी. जयचंद्र, विधायक एन. वाई. गोपालकृष्ण, रघुमूर्ति, वीरेंद्र पप्पी, पावागड़ा वेंकटेश, गोविंदप्पा, बसंतप्पा के साथ चित्रदुर्ग दावणगेरे जिले के विधायक, पूर्व विधायक और जिला, तालुक और ब्लॉक नेता उपस्थित थे।

'भगवान ऋषभदेव से महावीर तक' भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारियां जोरों पर

महावीर जन्मकल्याण पर होगा यह आयोजन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर में जैन युवा संगठन(जेवाईएस) द्वारा 21 अप्रैल को फ्रीडम पार्क कुंडलपुर नगरी में श्रमण भगवान महावीर स्वामी का 2623वां जन्म कल्याणक महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है जिसमें सांयकालीन कार्यक्रम के तहत 'भगवान ऋषभदेव से महावीर तक' नामक भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। सांयकालीन कार्यक्रम के चेयरमैन अमित सिंघवी ने कार्यकम की जानकारी देते हुए बताया कि इसमे सांस्कृतिक व भक्तिमय कार्यक्रम में ऑडियो, वीडियो एवं विजुअलाइजेशन द्वारा 24 तीर्थंकर भगवान के जीवन चरित्र, विभिन्न कल्याणकों की जानकारी दी जाएगी। इस आयोजन में शहर के 12 सुप्रसिद्ध, कलाकार संगीतमय भक्ति की प्रस्तुति देंगे।

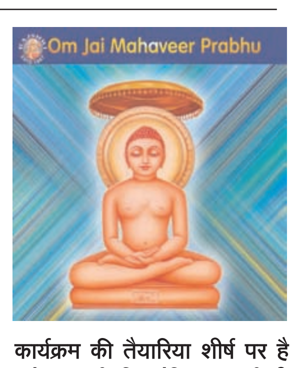

उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम की तैयारिया शीर्ष पर है एवं हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कार्यक्रम को समस्त जैन समाज का सहयोग मिल रहा है। कार्यक्रम के परामर्शक के रूप में मीठालाल पावेचा एवं समन्वयक के रूप में विकास पोरवाल सहयोग कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में चेयरमैन के साथ सहचेयरमैन दीपेश धोखा, अनुराग ललवानी, विनय गांधी, दिलीप संचेती, विपुल पोरवाल एवं कुंदन गोटावत तैयारियों में जुटे हुए हैं।

सम्मान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री व हावेरी गदग लोकसभा क्षेत्र के भाजपा के प्रत्याशी बसवराज बोम्मई ने गुरुवार को गब्बूर तीर्थ स्थित शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान के दर्शन कर जीत के लिए प्रार्थना की। इस मौके पर जैन मरुधर संघ के सचिव दिनेश संघवी, उपाध्यक्ष इन्दरमल जैन, गौतम गोलेछा, सुधीर वोरा, पोपटलाल जैन, भारत जैन, सुभाष डंक ने बोम्मई का सम्मान किया।

गौड़ ब्राह्मण संघ का होली मिलन रविवार को

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के गौड़ ब्राह्मण संघ का होली स्नेह मिलन कार्यक्रम रविवार को जयनगर स्थित अग्रसेन भवन के सभागार दोपहर 3.30 बजे से आयोजित किया गया है।

इस आयोजन में महिला समिति द्वारा सांस्कृतिक गणगौर गीतों का कार्यक्रम व फूलों की होली होगी। बच्चों के लिए रास्स्थानी परिधान वेशभूषा प्रतियोगिता सहित अनेक मनोरंजक खेल होंगे। संगीतकार रामू सिसोदिया कार्यक्रम में होली के गीतों व धमाल की प्रस्तुति देंगे। अध्यक्ष चुन्नीलाल नाथोलिया व सचिव अनिल शर्मा ने समाज के सभी सदस्यों से कार्यक्रम में शामिल होने का निवेदन किया है।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com